मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 44
शनिवार, 23 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

केंद्र का पैसा जनता तक नहीं, टीएमसी के पास जा रहा: पीएम मोदी

कोलकता, 22 अगस्त। पीएम नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में विभिन्न मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन से नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा और सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही मोदी ने मेट्रो की सवारी की और मेट्रो परियोजनाओं में शामिल स्कूली छात्रों और निर्माण श्रमिकों से बातचीत की। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज एक बार फिर मुझे पश्चिम बंगाल में विकास को गति देने का अवसर मिला... सभी खुश हैं कि कोलकाता के सार्वजनिक परिवहन में प्रगति हुई है... मैं इन विकास परियोजनाओं के लिए कोलकाता के लोगों को बधाई देता हूं।

वहीं, कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं ऐसे समय में आया हूँ जब दुर्गा पूजा की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं। बड़ा बाजार से लेकर पार्क स्ट्रीट तक, कोलकाता इस उत्सव की तैयारी और सजावट में व्यस्त है। खुशी और आस्था के इस उत्सव में जब विकास का उत्सव भी जुड़ जाता है, तो खुशी दोगुनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। इसलिए जब तक पश्चिम बंगाल का सामर्थ्य नहीं बढ़ेगा, तब तक विकसित भारत की यात्रा सफल नहीं हो पाएगी। क्योंकि भाजपा मानती है, भाजपा की श्रद्धा है - जब बंगाल का उदय होगा, तभी विकसित भारत

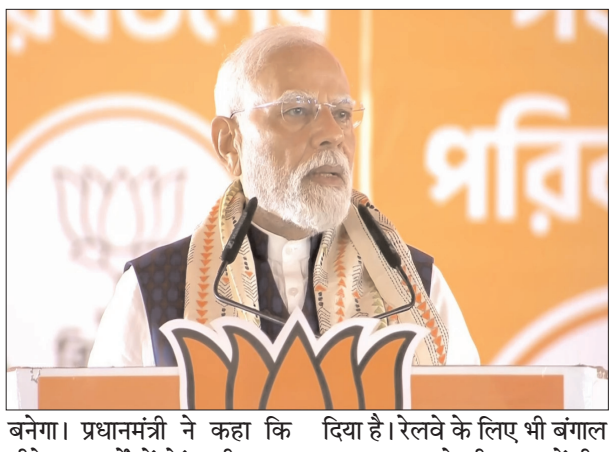

बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र की इखढ सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए लगातार हर प्रकार की मदद दी है। बंगाल में नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जितना पैसा कांग्रेस की वढअ सरकार ने अपने 10 साल में दिया था। उससे 3 गुना से ज्यादा पैसा हमारी भारत सरकार ने बंगाल को दिया है। रेलवे के लिए भी बंगाल का बजट पहले की तुलना में तीन गुना बढ़ाया गया है। लेकिन, बंगाल में विकास कार्यों के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। चुनौती ये कि बंगाल के लिए जो पैसा हम राज्य सरकार को सीधे भेजते हैं...उसका ज्यादातर हिस्सा यहां लूट लिया जाता है। वो पैसा ळटउ काडर पर खर्च होता है। इसलिए गरीब कल्याण की अनेक योजनाओं में बंगाल... देश के दूसरे राज्यों से पिछड़ा हुआ है।

मोदी ने कहा कि कुछ साल पहले पड़ोस में असम और त्रिपुरा के भी यही हाल थे। लेकिन जबसे असम और त्रिपुरा में भाजपा सरकार बनी है, गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ वहां जनता को मिलने लगा है। आज इन राज्यों में हर घर जल का काम तेजी से चल रहा है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज हर गरीब को मिल रहा है। गरीबों के पक्के घर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल में भी जनता तक सारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए जरूरी है कि यहां भी भाजपा सरकार होनी चाहिए। ये अब तय है - टीएमसी जाएगी, भाजपा आएगी।

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी मामले में कर्नाटक के विधायक के खिलाफ छापे मारे

बेंगलुरु, 22 अगस्त। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले में कर्नाटक के कांग्रेस विधायक के सी वीरेंद्र पप्पी, उनके भाई और कुछ अन्य के खिलाफ कई राज्यों में छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

वीरेंद्र (50) चित्रदुर्ग विधानसभा सीट से विधायक हैं। राज्य विधानसभा सत्र के अंतिम दिन हुई ईडी की कार्रवाई पर विधायक की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। सूत्रों ने बताया कि कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले, बेंगलुरु और हुबली, जोधपुर (राजस्थान), मुंबई और गोवा में कम से कम 30 स्थानों पर धन शोधन रोकथाम

अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली गयी। उन्होंने बताया कि गोवा में पप्पीज कैसीनो गोल्ड, ओशन रिवर्स कैसीनो, पप्पीज कैसीनो प्राइड, ओशन 7 कैसीनो और बिग डैडी कैसीनो पर भी छापे मारे गए। ईडी सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, वीरेंद्र पर किंग 567, राजा567, पप्पीज 003, रत्ना गेमिंग आदि जैसी ऑनलाइन सट्टेबाजी वेबसाइट संचालित करने का आरोप है और उनके भाई के सी थिप्पेस्वामी पर दुबई से डायमंड सॉफ्टेक, टीआरएस टेक्नोलॉजीज और प्राइम9 टेक्नोलॉजीज नामक तीन व्यापारिक संस्थाओं को संचालित करने का आरोप है। ये संस्थाएं वीरेंद्र की कॉल सेंटर सेवाओं और गेमिंग व्यवसाय से संबंधित हैं। एजेंसी सूत्रों के अनुसार, बेंगलुरु में कुसुमा एच के भाई अनिल गौड़ा नामक व्यक्ति के परिसरों पर भी छापेमारी की गई। कुसुमा ने कांग्रेस के टिकट पर राजराजेश्वरीनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन असफल रहे थे।

पारित सभी विधेयक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण होंगे: सांसद संतोष पांडेय

रायपुर, 22 अगस्त। भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने एकात्म परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में संसद के भीतर हुई चर्चा हमेशा महत्वपूर्ण होती है लेकिन कांग्रेस हमेशा अपने स्वार्थ सिध्दी के लिए ही सदन में चर्चा पर शामिल नहीं होती है। यह लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। हम जब प्रतिपक्ष में थे सार्थक चचाओं से सदन की गरिमा को और मजबूत बनाकर राष्ट्र हित में अपनी महत्ती भूमिका निभाते रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदन में हो रहे गंभीर चचाओं में हिस्सा लेने के बजाय अपने कथित प्रयासों से देश को भ्रमित करने का काम करती है जिसे देश की

जनता भलिभांति समझती है।

सांसद पांडेय ने कहा कि संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चला। इस दौरान कुल 21 बैठकें हुईं। सत्र में 14 विधेयक लोकसभा में पेश किए गए, एक विधेयक वापस लिया गया और 12 विधेयक लोकसभा पारित हुए। इस दौरान विपक्ष ने सदन चलने नहीं दिया। बार-बार के व्यवधानों के चलते सदन का सत्र प्रभावित रहा। जिसमें 130 घंटे के कुल समय में से केवल 37 घंटे ही कार्यवाही हो पाई। सांसद पांडेय ने कहा कि लोकसभा में मानसूत्र के दौरान कई अहम विधेयक पारित किए गए, जिनमें आयकर (संशोधन) विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल संचालन विधेयक 2025, ऑनलाइन गेमिंग (प्रोत्साहन और विनियमन) विधेयक 2025, सहित कुल 12 विधेयक को संयुक्त समिति को सौंपा गया। उन्होंने कहा कि यह सभी विधेयक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण फैसले होंगे।

विधवा कर्मचारी का आंसुओं में डूबा इस्तीफा

◆काशी विद्यापीठ के कुलपति पर अभद्र भाषा, दबाव और पक्षपात के गंभीर आरोप

सुरेश गांधी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की गरिमा तब आहत होती है जब वहां एक विधवा कर्मचारी को अभद्र भाषा, धमकियों और दबाव के बीच इस्तीफा देना पड़ता है। कुलपति का पद विश्वविद्यालय की मयार्दा और शुचिता का प्रतीक है, लेकिन यदि वह किसी अतिथि प्रवक्ता को बचाने के लिए अपने कर्तव्य की सीमाएं लांघते हैं, तो यह प्रशासनिक विफलता की स्पष्ट मिसाल है। अब जब मामला राजभवन तक पहुंच चुका है, तो

जरूरत है निष्पक्ष जांच और कड़े कदम की। यह सिर्फ शिखा बंसल का मामला नहीं, बल्कि पूरे विद्यापीठ की साख और नैतिकता का प्रश्न है।

बता दें, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी पर लगाए गए आरोपों ने विश्वविद्यालय के वातावरण को हिला कर रख दिया है। विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सहायक (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) शिखा बंसल, जो दिवंगत प्रोफेसर की विधवा हैं, ने कुलपति द्वारा अभद्र भाषा और दुर्व्यवहार से आहत होकर 19 अगस्त को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस्तीफा अब तक स्वीकार नहीं हुआ है, लेकिन पीड़िता पर लगातार दबाव और धमकियों का सिलसिला जारी है। भय और अपमान से टूटी शिखा बंसल घर छोड़कर अज्ञात स्थान पर जाने को मजबूर हो गई हैं।

कैंपस में उठे सवालों की डोर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से जुड़ी है। 11 अगस्त को हुए अतिथि प्रवक्ता पद के इंटरैक्शन में डॉ. रमेश कुमार सिंह भी शामिल हुए थे। आरोप है कि वे खुद को कुलपति का करीबी बताते हैं और उनके नाम पर धन उगाही तक करते हैं। इतना ही नहीं, गोपनीय विभाग की सूची में उन्हें सहायक कुलानुशासक के रूप में दर्ज भी कर दिया गया, जबकि नवीनीकरण प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी। डॉ. रमेश ने शिखा बंसल पर परिणाम समय से पहले बताने का दबाव बनाया। मना करने पर धमकी दी और सीधे कुलपति के पास शिकायत करने पहुंच गए। सूत्रों के अनुसार, कुलपति कक्ष में शिखा बंसल को बुलाकर उन्हें डांटा गया और अपमानजनक भाषा का प्रयोग हुआ। मौके पर मौजूद रमेश सिंह ने भी अपशब्द कहे और नौकरी छोड़ने तक की धमकी दी। कुलपति ने तंज कसते हुए कहा, कुछ आता-जाता नहीं, मृतक आश्रित में नौकरी मिल गई है तो बहुत काबिल बन रही हो। आहत शिखा बंसल ने उसी समय इस्तीफा भेज दिया। इस्तीफे में कुलपति की अभद्र भाषा का उल्लेख भी है।

इस्तीफे के बाद शिखा बंसल पर इस्तीफा वापस लेने का दबाव डाला गया।

बिहार एसआईआर में आधार कार्ड या 11 अन्य दस्तावेज मान्य, सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को बड़ा आदेश

नई दिल्ली, 22 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनावी राज्य बिहार में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बदलाव करने से इनकार कर दिया, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को ऑनलाइन माध्यम से दावे दाखिल करने की अनुमति दे, साथ ही भौतिक रूप से भी दावा पेश करने की अनुमति दे। अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेजों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है। अदालत ने कहा, सभी राजनीतिक दल अगली सुनवाई तक उस दावा प्रपत्र पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसे उन्होंने बहिष्कृत मतदाताओं द्वारा दाखिल करने में मदद की थी।

मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि केवल दो आपत्तियाँ उठाई गईं, जबकि राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) हैं। सुनवाई के दौरान,

चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उसे यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। आयोग ने अदालत को यह भी बताया कि 85,000 बहिष्कृत मतदाताओं ने अपने दावा पत्र जमा कर दिए हैं, जबकि दो लाख से ज्यादा नए मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आगे आए हैं।

चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत से कहा, ₹राजनीतिक दल शोर मचा रहे हैं और हालात इतने खराब नहीं हैं। हम पर विश्वास रखें और हमें कुछ और समय दें। हम आपको दिखा देंगे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। बिहार में जहाँ इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान चलाने के फैसले से भारी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एसआईआर के अनुसार, बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या इस अभियान से पहले के 7.24 करोड़ से घटकर 7.9 करोड़ रह गई है।

महराजगंज में खेत में सिंचाई करते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

ठूठीबारी। महराजगंज जिले के ठूठीबारी थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को सुबह खेत में सिंचाई करते समय एक व्यक्ति और उसके युवा बेटे की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। ठूठीबारी थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) महेंद्र मिश्रा ने बताया थाना क्षेत्र के सुकरहर गांव के निवासी श्रीकांत यादव (60) और उनका बेटा संतोष यादव (25) शुक्रवार को सुबह सुबह खेत में सिंचाई करने गए थे। पानी के पंप से जुड़े बिजली के तार के संपर्क में आने से उन्हें करंट लग गया और दोनों की मौत हो गई।

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

-ललित गर्ग

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है। आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोट्र्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पदार्फाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बबार्दी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरूआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुमार्ना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

क्या चीन और भारत की बढ़ती नजदीकियां सफल रहेगी?

अशोक भाटिया

द्विपक्षीय संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा के गुण कूटनीतिक जटिलताओं को दिखाते हैं। भारत और चीन इसके पर्याय हैं। एशिया की दो महान शक्तियां एक दूसरे की पड़ोसी हैं। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से दोनों देश एक दूसरे से जुड़े हुए हैं, लेकिन सीमा विवाद ऐसी लक्षण रेखा है जो राजनीतिक संबंध को सामान्य होने नहीं देती। इसका असर रणनीतिक तौर पर दोनों देशों के हितों को स्पष्ट रूप से विभाजित करता है।

दरअसल भारत और चीन दोनों विशाल बाजार हैं। चीन भारत का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि भारत चीनी कंपनियों के लिए निवेश और उपभोक्ता बाजार उपलब्ध कराता है। चीन की तकनीकी और औद्योगिक क्षमता तथा भारत की श्रमशक्ति और बाजार मिल कर विकास के अवसर प्रदान कर सकते हैं। दोनों देशों को तेल, गैस और खनिजों की भारी जरूरत है। सहयोग से आपूर्ति शृंखला मजबूत की जा सकती है।

सौर और हरित ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग कर भविष्य की ऊर्जा जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। तीसरी दुनिया की मूलभूत समस्याएं और विकसित देशों से मिलती चुनौतियों के खिलाफ भी दोनों देश मिल कर खड़े नजर आते हैं। दुनिया भर में चीन ने अपना आर्थिक कारोबार बढ़ाया है जो एशिया, अफ्रीका, यूरोप से लेकर लैटिन अमेरिका तक अपना व्यापक प्रभाव कायम कर रहा है। यह स्थिति अमेरिका और यूरोप को परेशान करती है, तो भारत के लिए भी सब कुछ सामान्य नहीं है।

व्यापार असंतुलन बड़ा मुद्दा है। भारत निवेश और तकनीक चाहता है, वहीं चीन भारत के बाजार में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता है। एक ओर दोनों देश उभरती हुई एशियाई शक्तियां हैं और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थक हैं, तो दूसरी ओर क्षेत्रीय नेतृत्व, सुरक्षा और वैश्विक संस्थानों में प्रतिनिधित्व को लेकर प्रतिस्पर्धा है। भारत दक्षिण एशिया में अपना पारंपरिक नेतृत्व बनाए रखना चाहता है, जबकि चीन पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और मालदीव में निवेश कर भारत के प्रभाव को चुनौती देता है।

पिछले कुछ महीनों में इन पूरी तरह से अप्रत्याशित घटनाओं ने भारत सरकार को दुविधा में छोड़ दिया है। झटका इतना अप्रत्याशित रहा है कि हमने अचानक अमेरिका के समकक्ष प्रतिद्वंद्वी, चीन के साथ शिष्टाचार और सद्भाव विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। माना कि ट्रम्प बहुत अविश्वसनीय और अभिमानी हैं, लेकिन इसके लिए, यह भी आवश्यक है कि चीन को कुचलने की नीति कितनी उचित है क्योंकि वह विफल रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि गलवान के घाव अभी भी गीले हैं और दोनों देश लद्दाख के संघर्षग्रस्त सीमावर्ती क्षेत्रों में शुद्ध गश्त पर सहमत हुए हैं। कुछ मीडिया आउटलेट्स ने दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार के सबूत के रूप में सीमा पार व्यापार और धार्मिक पर्यटन की संभावना की ओर इशारा किया है। यह दुर्लभ यौगिकों और विशाल भेदी मशीनों की आपूर्ति पर नियंत्रण उठाने के लिए सहमत हो गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि चीनी जहाज इस संपत्ति के साथ भारतीय बंदरगाहों में लंगर डाले हुए हैं। हाल ही में भारत की यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि कुछ मुद्दों पर भारत के साथ मतभेदों के कारण दोनों देशों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

उनका यह भी मानना है कि व्यापार आतंक के युग में, सहयोग, सुलह और समन्वय से बाहर निकलने का रास्ता होना चाहिए। उन्होंने अगले महीने बीजिंग में शंघाई सहयोग सम्मेलन का निमंत्रण सौंपा। मोदी ने इसे स्वीकार कर लिया, लेकिन सिर्फ इसलिए कि अमेरिका ने इस पर आंखें मूंद लीं, चीन को सावधानी की चेतावनी देनी होगी। पाकिस्तान को उस देश की एक लड़ाकू पनडुब्बी से लैस किया गया था।

भारत छोड़ने के बाद वह अफगानिस्तान गए, जहां उन्होंने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ त्रिपक्षीय वार्ता की। उस चर्चा के केंद्र में अफगानिस्तान से चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड परियोजना का विस्तार करना था। चीन भारत के साथ सहयोग की बात करता है और वह भी चीन। भारत ने अफगानिस्तान को अभी आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है लेकिन चीन ने वहां परियोजनाओं पर चर्चा शुरू कर दी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए 80 फीसदी हथियार चीन निर्मित थे। चीन निकट भविष्य में देश को नवीनतम लड़ाकू जेट प्रदान करके देश को और अधिक युद्ध के लिए तैयार करने का इरादा रखता है।

एक तरफ चीन रणनीतिक तरीके से भारत पर हमला करना चाहता है, दूसरी तरफ आर्थिक मोर्चे पर यह हमारे लिए अपरिहार्य होता जा रहा है। यदि वह दुर्लभ यौगिकों की आपूर्ति को नियंत्रित करना चाहता है, तो हमारा ऑटो विनिर्माण क्षेत्र घुसपैठ कर रहा है। हम अक्सर फार्मास्युटिकल क्षेत्र में खुद की पीठ थपथपाते हैं, लेकिन इसके लिए आवश्यक कच्चे माल का मुख्य स्रोत चीन है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में, अधिकांश घटक और उप-घटक चीन से आते हैं। दूसरे शब्दों में, 2020 के बाद, हमारे नाजुक पड़ोसी को बाहर निकालने के लिए राजनयिक और सैन्य प्रतिरोध के साथ-साथ आर्थिक प्रतिबंधों के हथियार का उपयोग करने की मजबूत मांग थी।

पांच साल बाद, भारत-चीन व्यापार में देश का हिस्सा 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इसका मतलब है कि वहां हमारा निर्यात अभी भी खंडित है, लेकिन वहां से माल का आयात साल दर साल बढ़ रहा है। इस असंतुलन से एक और खतरा संभव है। हमें यह समझना होगा कि हमसे ज्यादा मजबूत होने के बावजूद पिछले कुछ दिनों में चीन की भाषा क्यों बदल गई है। उन्होंने इसे पर्याप्त जोखिम नहीं दिया। इसलिए उनके लिए इसे कम करने और फिर जबरन शुल्क लगाने के बाद भी इसे थोड़ी देर के लिए निलंबित करने का समय आ गया था। लेकिन ट्रम्प पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, ताकि अगर वार्ता रुक जाए, और अमेरिका सख्त टैरिफ लगाए, तो एक बड़ा बाजार चीन के लिए शत्रुतापूर्ण हो सकता है। ऐसी स्थिति में, चीन को अजरा बाजार खोजना होगा जो चीन के निरंतर उत्पादन चक्र के लिए चीन की भूख को संतुष्ट करता है। भारत इन मानदंडों पर उच्च स्थान पर है। यह मुख्य कारणों में से एक है कि चीन ने ब्रिक्स समूह को क्यों रखा है। भारत, ब्राजील, आदि। अब इंडोनेशिया चीनी सामानों के लिए एक 'डंपिंग ग्राउंड' हो सकता है, यही वजह है कि ट्रम्प ने इसे मान्यता दी है, यही वजह है कि वह लगातार ब्रिक्स को तोड़फोड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत को इस खतरे को पहचानना चाहिए।

चीन की शत्रुता व्यक्त और प्रत्यक्ष है, लेकिन मित्रै वार्ता के पीछे की दुश्मनी ज्ञात और अनकही है। यह बार-बार प्रदर्शित किया गया है कि नेहरू के नेतृत्व वाले भारत ने इसे मान्यता नहीं दी। चीन उन विद्वान शासकों तक पहुंच गया है जो भी विफल रहा है जिन्होंने बार-बार कहा है कि उन्होंने इसे मान्यता नहीं दी है। हम कई वर्षों से विनिर्माण, बुनियादी ढांचे के निर्माण, खनन, रोजगार-उन्मुख कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक महाशक्ति रहे हैं। लेकिन इसने मध्यम शक्तियों के अनुरूप प्रगति भी नहीं की है। हमारी अर्थव्यवस्था अभी भी मुख्य रूप से सेवा-उन्मुख, कृषि-केंद्रित, उपभोक्ता-केंद्रित है। वैश्विक व्यापार के संदर्भ में, आवाज और वजन केवल उत्पाद-उन्मुख और निर्यात-उन्मुख देशों के लिए हैं। जब तक यह स्थिति नहीं बदलती, हमारे विकल्प सीमित हैं। यह काफी स्पष्ट है कि यह रहेगा।

प्रधानमंत्री शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने चीन जाएंगे। इस यात्रा का महत्त्व सीमा पर स्थिरता बहाल करने, व्यापार, उड्डयन, कूटनीति में सुधार और बहुपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने जैसे कई आयामों से जुड़ा है। यह केवल एक बहुपक्षीय सम्मेलन में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि भारत-चीन संबंधों, क्षेत्रीय संतुलन और वैश्विक राजनीति को प्रभावित करने वाला कदम हो सकता है। भारत को चीन के साथ संघर्ष और सहयोग दोनों का संतुलन साधना पड़ेगा। भारत के सामने यह जटिल चुनौती है कि वह अमेरिका और यूरोप से अत्याधुनिक तकनीक, पूंजी और बाजार का लाभ उठाए, रूस के साथ पारंपरिक रक्षा सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाए रखे और चीन के साथ प्रतिस्पर्धा के बावजूद सीमित सहयोग की संभावनाएं खुली छोड़े। यह बहुआयामी संतुलन भारत को बनाए रखना होगा। किसी संप्रभु राष्ट्र के लिए शक्ति संतुलन, राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसी संकल्पनाएं महत्त्वपूर्ण है और राष्ट्र की सुरक्षा उसका दायित्व है। अमेरिका की नीतियां और चीन से मजबूत संबंध स्थापित करने की कोशिशें भारत की विदेश नीति के लिए परीक्षा की घड़ी है।

रोग,महँगाई और भ्रष्टाचारियों को ले जा गे मारबत

मारबत महोत्सव नागपुर के इतिहास की एक बड़ी और ऐतिहासिक परंपरा है। मारबत महोत्सव की शुरूआत ब्रिटिश काल में हुई थी। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य लोगों को एकजुट करके अंग्रेजों के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई छेड़ना था। समय के साथ, समाज में व्याप्त कुरीतियों और बुरी परंपराओं को नष्ट करना और अच्छी चीजों को प्रोत्साहित करना इस महोत्सव का उद्देश्य बन गया। बाधाओं को दूर करने के लिए, 1880 में काली मारबत की शुरूआत की गई थी। इसके बाद 1884 में पीली मारबत की शुरूआत की गई। आज काली मारबत के 145 वर्ष पूरे हो रहे हैं, जबकि पीली मारबत के 140 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसे एक इतिहास कहा जा सकता है। दोनों मारबतियों की स्थापना के पीछे एकमात्र उद्देश्य आने वाली बाधाओं, बीमारियों, महँगाई, सूखे, भ्रष्टाचार को दूर करना था और है। नागपुर के लिए आश्चर्य की बात यह है कि आज भी 145 साल पुरानी परंपरा उसी तरह से निभाई जा रही है। यह न केवल नागपुर के इतिहास की बल्कि भारतीय इतिहास की भी एक महान विरासत और संस्कृति है। क्योंकि सभी धर्मों के लोग इस उत्सव में बड़े आनंद के साथ भाग लेते हैं। इसलिए, यह नागपुरवासियों के लिए गर्व की बात है। उस समय, लगातार आठ दिनों तक मारबती की पूजा की जाती थी और यह आज भी की जाती है। इसी तरह, बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। यह भी कहा जाता है कि कई लोग मानते हैं कि मारबत सौभाग्य लाने वाली होती है। कई लोगों के लिए मारबती के दर्शन के लिए अपने नवजात शिशुओं के मुंह को मारबती के स्तन से लगाने का भी रिवाज है। इसलिए, काली मारबती और पीली मारबती को पारंपरिक रूप से महत्व दिया जाता है। पहली मारबती के दिन, बाधाओं और विनाशकारी शक्तियों के खिलाफ नारे लगाने के लिए एक भव्य जुलूस निकाला जाता है, ₹इडा-पीड़ा, माशा-मुरकुट्या, रोग्राई को ले जा गे मारबत₹ और पूरे शहर के नागरिक इसमें भाग लेते हैं और पूरा नागपुर उत्साह की स्थिति में होता है। मारबती के पहले दिन, यानी अमावस्या को, मेडे (पलसा) की शाखाओं को हर घर में पूजा जाता है और अगले दिन, पड़वा पर, हर चौक में पलाश की शाखाएं जलाई जाती हैं और घोषणा की जाती है, ₹माशा-मुरकुट्या, रोग्राई को ले जा गे मारबत₹। मेरी राय में, वैज्ञानिक या सामाजिक दृष्टिकोण से, पलाश के पत्तों का धुआं कीटाणुनाशक प्रभाव डालता होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। समय के साथ, यह दिन इतना महत्वपूर्ण हो गया है कि भ्रष्ट और दागी राजनेताओं या भ्रष्ट लोगों के खिलाफ विरोध करने के लिए एक ₹बड़गा₹ बनाया जाता है। इसी प्रकार, महंगाई, अत्याचार, आतंकवाद, महामारी, बैंक घोटाले आदि के विरोध में एक ₹बड़गा₹ बनाया जाता है। कई सामाजिक संगठन (मंडल) इसमें बड़े पैमाने पर भाग लेते हैं। मेरा मानना ? है कि पीली और काली मारबतियों के रूप में समाज में कई विनाशकारी शक्तियों और अत्याचारों का विरोध करने की परंपरा काली और पीली मारबतियों से विरासत में मिली है। क्योंकि इसके कारण, हम और देश एक बड़गा के रूप में देखते हैं कि राजनीतिक नेता, अत्याचारी, भ्रष्ट लोग समाज में क्या घृणित कार्य करते हैं, और इससे समाज में जनजागृति पैदा होती है। यानी मेरा मानना ??है कि मारबत सामाजिक जागरूकता का एक बड़ा दिन है। क्योंकि इसके कारण, राजनीतिक नेता काफी हद तक बेनकाब होते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि 1897 में प्लेग फैला था। उसके बाद, 1928 में, भले ही अंग्रेजों ने नागपुर में हिंदू-मुस्लिम दंगे करवाए, लेकिन यह नागपुर के लिए गर्व की बात है कि सभी धर्मों के समुदाय के लोगों ने मारबत उत्सव को कहीं भी बाधित नहीं होने दिया। इस वजह से इन दोनों वर्षों में मारबत उत्सव में कोई बाधा नहीं आई। लेकिन पहली बार कोरोना महामारी के दौरान मारबत उत्सव के जुलूस में बाधा आई। लेकिन कोरोना महामारी समाप्त होने के बाद, देश में सभी धर्मों के त्योहार बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाए जाने लगे। मारबत उत्सव का मुख्य उद्देश्य समाज में बुराइयों को नष्ट करना और अच्छाइयों को बढ़ावा देना है। मारबत उत्सव में बुरे लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि बुरे लोग ही देश में हानिकारक चीजों का विरोध करते हैं। इस साल, हम जुलूस में कई बैनर देखेंगे, जिनमें मुद्रास्फीति, सिलेंडर की कीमत में वृद्धि, पेट्रोल की कीमत में वृद्धि, शहर में गड्ढे, पाकिस्तान, चीन, आतंकवाद, घोटालेबाज, भ्रष्टाचारी, अत्याचारी, बेरोजगारी आदि शामिल हैं। इस साल, हम घटना के खिलाफ सौ से अधिक बैनर देख सकते हैं। मारबत उत्सव की शुरूआत नागपुर से हुई थी। लेकिन अब मारबत उत्सव महाराष्ट्र सहित देश के कई हिस्सों में मनाया जाता है। आज मारबत उत्सव के अवसर पर देश में हो रहे अत्याचारों, किसान आत्महत्याओं, महंगाई और बढ़ते भ्रष्टाचार के खिलाफ समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से देश के कई राज्यों ने नागपुर की परंपरा को अपनाया है और मारबत उत्सव के दिन प्रतीकात्मक प्रतिमाओं के बैनर निकालकर अपना विरोध जताया जाता है ताकि देश की 140 करोड़ जनता आम आदमी पर हो रहे अत्याचारों को अपनी आंखों से देख सके। इससे समाज में जनजागृति भी देखने को मिलती है। देश के भ्रष्ट लोगों ने देश को इतना बर्बाद कर दिया है कि अंग्रेजों ने तो देश को लूटा ही, लेकिन देश के भ्रष्ट नेताओं ने देश को हजार गुना लूटा है। इसी वजह से देश में महंगाई, बेरोजगारी और किसान आत्महत्याओं का पहाड़ खड़ा हो गया है। देश की 140 करोड़ जनता इसका प्रायश्चित भुगत रही है। इसके कारण आम आदमी और गरीबों का जीवन बहुत कठिन हो गया है। इसलिए सबसे पहले भ्रष्टाचारियों का वध किया जाना चाहिए!

इलेक्शन कमीशन : पब्लिक का भरोसा या पॉलिटिक्स का प्रेशर

-प्रियंका सौरभ

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय चुनाव आयोग कभी लोकतंत्र का सबसे विश्वसनीय प्रहरी माना जाता था। पर हालिया विवादों ने उसकी साख पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं—मतदाता सूची से नाम गायब होना, मतदान प्रतिशत की पारदर्शिता पर संदेह, और नियुक्तियों की प्रक्रिया पर उठते सवाल। चुनाव आयोग के लिए सबसे बड़ी चुनौती अब नियम बनाने या नोटिस भेजने की नहीं, बल्कि जनता के भरोसे को लौटाने की है। क्योंकि लोकतंत्र केवल वोटिंग मशीनों पर नहीं, बल्कि लोगों के विश्वास पर चलता है। अगर विश्वास डगमगाया, तो चुनाव सिर्फ रस्म रह जाएंगे और लोकतंत्र अपने असली मायने खो देगा। लोकतंत्र एक खेल है। खेल का मैदान जनता है, खिलाड़ी राजनीतिक दल हैं और रेफरी चुनाव आयोग। सवाल यह है कि जब रेफरी ही किसी एक टीम की जर्सी पहनकर मैदान में उतर आए तो खेल कितना निष्पक्ष रह जाएगा? हाल के दिनों में यही शंका बार-बार उठ रही है।

मतदाता सूची से नाम हटाने का मामला मानो एक नया सरकारी फैशन बन गया हो। वोटर घर बैठे सोचता है कि लोकतंत्र में उसका अस्तित्व है, लेकिन जब मतदान वाले दिन बूथ पर जाता है तो पता चलता है कि वह तो पहले ही ₹गायब₹ कर दिया गया है। जैसे कोई जादूगर टोपी से खरगोश निकालता है, वैसे ही चुनाव आयोग नाम काटने की कला दिखा देता है। और जब आप शिकायत करने जाते हैं तो कहा जाता है—₹जी शपथपत्र भरिए, गवाही दीजिए, साबित करिए कि आप जीवित हैं।₹ यानी इस देश में नागरिकता का सबसे बड़ा सबूत अब यह नहीं कि आप साँस ले रहे हैं, बल्कि यह है कि आयोग ने आपके नाम पर पेंसिल से टिक लगाई है।

चुनाव आयोग की पारदर्शिता का हाल वैसा ही है जैसे दूल्हे की घोड़ी पर रखा हुआ दर्पण—सबको दिखता है, लेकिन पास जाते ही धुंधला हो जाता है। मतदान प्रतिशत का ऐलान भी किसी बॉलीवुड फिल्म के ट्रेलर जैसा है—पहले झलक दिखा दी, फिर कई दिन बाद असली आंकड़ा आया, और कभी-कभी तो दूसरा ट्रेलर पहले से लंबा निकल आया। जनता पूछती है कि जब बूथ पर वोट तुरंत गिन लिया जाता है, तो फिर प्रतिशत बताने में हफ्ता क्यों लगता है? आयोग का जवाब होता है—₹हमारे ऐप पर सब था।₹ पर जनता सोचती है, जब शादी का कार्ड छपने से पहले सोशल मीडिया पर फोटो लाइव हो जाती है तो मतगणना का डेटा क्यों लटक जाता है? अब आइए ईवीएम और वीवीपैट पर। आयोग का तर्क है कि मशीनें बिल्कुल सुरक्षित हैं। जनता कहती है—₹हमें भी भरोसा है, पर पर्ची दिखा दीजिए।₹ आयोग कहता है—₹पाँच बूथ काफी हैं।₹ यह वैसा ही है जैसे कोई दुकानदार हर सौ किलो आटे में से सिर्फ पाँच दाने तौलकर कह दे—₹लो, साबुत निकले, अब बाकी पर भरोसा कर लो।₹ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सौ प्रतिशत मिलान जरूरी नहीं, लेकिन सवाल यह है कि लोकतंत्र में भरोसा केवल मशीन से नहीं आता, भरोसा जनता की आँखों से आता है। अगर जनता देखना चाहती है तो दिखाइए, आखिर छुपाना किस बात का है?

आयुक्तों की नियुक्ति का हाल और भी मजेदार है। पहले कहा जाता था कि यह नियुक्ति निष्पक्ष होनी चाहिए। फिर एक नया कानून आया और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को ही बाहर कर दिया गया। अब प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और एक मंत्री मिलकर तय करेंगे कि आयोग में कौन बैठेगा। यानी परीक्षा की कॉपी जाँचने वाला मास्टर खुद ही अपने पसंदीदा परीक्षार्थी को पास कराएगा। क्या ही निष्पक्षता है! विपक्ष के नेता की मौजूदगी बस औपचारिक है, वैसे ही जैसे शादी में बारात में आया कोई दूर का चाचा—बस दिखावे के लिए बैठा है, बाकी सारा खेल बड़े-बड़े काका निपटा लेते हैं। आचार संहिता लागू करने में भी आयोग की अपनी ₹दृष्टि₹ है। कोई नेता जरा सी टिप्पणी कर दे तो नोटिस झट से चला जाता है। लेकिन वही बात अगर सत्ता पक्ष का नेता कर दे तो आयोग पहले गहरी ध्यान-स्थिति में चला जाता है, फिर योग निद्रा में और अंततः भूलने की बीमारी में। जनता कहती है कि आयोग सब पर बराबर डंडा चलाए, पर आयोग लगता है जैसे किसी शादी में नाचते हुए डीजे पर डंडा तभी चले जब वह पड़ोसी मोहल्ले का हो, घर के बाराती तो चाहे पटाखा फोड़ें, चाहे लाउडस्पीकर बजाएँ, सब मान्य है। चुनाव चिन्ह और पार्टी विभाजन पर फैसले भी गजब के होते हैं। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी के मामले में आयोग के निर्णय ऐसे लगे मानो पहले से पटकथा लिखी जा चुकी हो। जनता ने तंज कसा कि आयोग अब चुनाव का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों का ₹संपत्ति-विभाजन अधिकारी₹ बन गया है। किसे पार्टी का नाम मिलेगा, किसे चुनाव चिन्ह—यह सब वैसे तय हुआ जैसे परिवार की जायदाद बंटती है। फर्क बस इतना कि अदालत की जगह अब आयोग बैठा है और फैसला किसके पक्ष में जाएगा, यह जनता पहले से जान लेती है।

असल संकट यह नहीं कि आयोग गलत कर रहा है या सही। असल संकट यह है कि जनता अब मानने लगी है कि आयोग निष्पक्ष नहीं रहा। लोकतंत्र में धारणा ही सबसे बड़ी हकीकत होती है। अगर जनता को यकीन हो जाए कि वोट डालना महज औपचारिकता है, तो वह लोकतंत्र का उत्सव छोड़ कर अपने कमरे में क्रिकेट मैच देखने लग जाएगी। और अगर वोट डालने वाली कतारें छोटी होने लगीं तो लोकतंत्र की नींव खुद-ब-खुद हिल जाएगी। सुधार की बातें खूब होती हैं, लेकिन असलियत यह है कि सुधार की जरूरत आयोग से ज्यादा उसकी सोच में है। मतदाता सूची से नाम हटाना अगर जरूरी है तो उसे दोहरी पुष्टि से कीजिए। मतदान प्रतिशत अगर तय समय में घोषित किया जा सकता है तो नियम बना दीजिए। ईवीएम सुरक्षित हैं तो पर्ची दिखाने से डर क्यों? नियुक्तियाँ अगर निष्पक्ष हैं तो न्यायपालिका को बाहर क्यों किया? आचार संहिता अगर सब पर लागू होती है तो नोटिस का रंग सत्ता के हिसाब से क्यों बदल जाता है? लोकतंत्र एक जादुई शब्द है। यह तभी तक चमकता है जब तक जनता का भरोसा कायम रहता है। भरोसा टूटा तो लोकतंत्र का दीपक भी बुझ जाएगा। चुनाव आयोग के लिए यह समय है कि वह अपनी छवि बचाए। क्योंकि संस्थाएँ अपनी शक्ति सत्ता से नहीं, जनता से लेती हैं। सत्ता अस्थायी है, लेकिन जनता स्थायी है। आयोग यदि जनता का विश्वास खो देगा तो वह संवैधानिक ढांचे में केवल एक मुहर बनकर रह जाएगा।

आज आयोग के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है—क्या वह सचमुच लोकतंत्र का रेफरी है या सत्ता का बारातबाज? रेफरी अगर सीटी सही समय पर नहीं बजाएगा तो खेल मैदान में ही तय नहीं होगा, बल्कि इतिहास में तय होगा। और इतिहास उन लोगों को कभी माफ नहीं करता जिन्होंने लोकतंत्र की पवित्रता को दांव पर लगाया।

यूपी में सुरक्षा की दृष्टि से रिक्शा-आटो चालकों को लगाना होगा क्यूआर कोड

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में सवारी सुरक्षा और परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जल्द ही प्रदेश के सभी बैटरी चालित रिक्शा, ऑटो और टेंपो में क्यूआर कोड अनिवार्य किया जाएगा। इस क्यूआर कोड को स्कैन करते ही यात्रियों को वाहन चालक और मालिक की पूरी जानकारी मिल सकेगी। यह पहल न केवल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि अवैध वाहनों और अपराध की रोकथाम में भी मददगार साबित होगी। क्यूआर एक विशेष प्रकार का बारकोड होता है जिसे मोबाइल फोन के कैमरे से स्कैन किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा विकसित इस सिस्टम के अंतर्गत, हर बैटरी रिक्शा, ऑटो और टेंपो पर एक यूनिक क्यूआर कोड लगाया जाएगा। इसे स्कैन करते ही यात्री को मोबाइल स्क्रीन पर उस वाहन के चालक का नाम, फोटो और ड्राइविंग लाइसेंस नंबर, वाहन का पंजीकरण नंबर,वाहन स्वामी का नाम,वाहन का फिटनेस और बीमा स्टेटस, परमिट की वैधता पता चल जायेगी।

गौरतलब हो,उत्तर प्रदेश के शहरी इलाकों में लाखों की संख्या में ई-रिक्शा और ऑटो-टेंपो चलते हैं। इनमें से कई अनियमित और बिना वैध कागजात के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। कई बार आपराधिक गतिविधियों में शामिल वाहन और ड्राइवर पहचान से बाहर रहते हैं, जिससे जांच में समय लगता है और यात्रियों की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है। क्यूआर कोड सिस्टम लागू होने से अब किसी भी सवारी को वाहन की प्रामाणिकता जांचने के लिए केवल मोबाइल निकालकर कोड स्कैन करना होगा। अगर कोई समस्या आती है, तो कोड में दिए गए विवरण से यात्री तुरंत संबंधित विभाग को शिकायत दर्ज कर सकता है।यह नई व्यवस्था खासकर महिलाओं के लिए राहत की बात है। सार्वजनिक परिवहन में सफर करते समय महिलाएं अक्सर असुरक्षित महसूस करती हैं। क्यूआर कोड से वाहन और चालक की जानकारी मिल जाने पर वे न केवल आश्वस्त हो सकेंगी, बल्कि किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को तुरंत सूचना दे सकेंगी। इस व्यवस्था से राज्य सरकार को ई-रिक्शा और ऑटो चालकों का एक व्यवस्थित डिजिटल डाटाबेस तैयार करने में भी मदद मिलेगी। इससे भविष्य में ड्राइवरों के लिए प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, बीमा जैसी योजनाओं को लागू करना आसान होगा। साथ ही, गैर-कानूनी और बिना परमिट चल रहे वाहनों को चिन्हित कर उन पर कार्रवाई भी की जा सकेगी।कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश में ई-रिक्शा और ऑटो में क्यूआर कोड लगाने की योजना न केवल यात्री सुरक्षा की दिशा में एक समझदारी का कदम है, बल्कि यह स्मार्ट ट्रांसपोर्ट व्यवस्था की ओर बढ़ता हुआ कदम भी है। जब तकनीक का उपयोग जनहित में किया जाए, तो न केवल व्यवस्था में सुधार आता है बल्कि नागरिकों का विश्वास भी बढ़ता है। यह पहल पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन सकती है।

मुंबई पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया, 12 लोग गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस ने देश के विभिन्न हिस्सों में कथित तौर पर लोगों से 60.82 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले 12 लोगों (एक दंपति समेत) को गिरफ्तार कर एक साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि हाल ही में पकड़े गए आरोपियों में से पांच ने साइबर धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल की खातिर अपने बैंक खाते और सिम कार्ड बेच दिए थे। पुलिस उपायुक्त (जांच) राज तिलक रोशन ने बताया कि ये गिरफ्तारियां 12 अगस्त को पश्चिमी उपनगर कांदिवली में एक कार्यालय पर मुंबई अपराध शाखा की छापेमारी के बाद की गईं, जिसमें अधिकारियों ने सिम कार्ड और बैंक पासबुक जब्त किए।

उन्होंने बताया कि गिरोह ने 943 बैंक खाते खरीदे थे, जिनमें से 180 का इस्तेमाल धोखाधड़ी के लिए किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी पिछले साल से इस कार्यप्रणाली का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पांच आरोपियों को 12 अगस्त को गिरफ्तार किया गया और शेष को जांच के दौरान पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि गिरोह ने 7,000-8,000 रुपये में सिम कार्ड और बैंक खाते खरीदे और उनका इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन खरीदारी और शेयर बाजार कारोबार से जुड़ी धोखाधड़ी के लिए किया।

अधिकारी ने बताया कि बैंक खातों और सिम कार्ड का इस्तेमाल देश भर में लोगों से 60.82 करोड़ रुपये की ठगी करने के लिए किया गया, जिसमें मुंबई में 1.67 करोड़ रुपये और शेष महाराष्ट्र में 10.57 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है।

डैनोन इंडिया-एफएसएसएआई की 'ईट राइट' पहल

मुंबई। डैनोन इंडिया के सहयोग से एफएसएसएआई ने मुंबई में भारत के पहले महिला-स्वच्छ स्ट्रीट फूड हब 'माउली' का उद्घाटन किया। इस हब का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल ने किया। एफएसएसएआई के ईट राइट इंडिया अभियान के तहत शुरू की गई यह ऐतिहासिक पहल खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और सतत उद्यमिता को एक साथ लाती है। यह केंद्र पूरी तरह से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा संचालित है, जिन्होंने सफलतापूर्वक (खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण और प्रमाणन) प्राप्त किया है। स्वच्छता, सुरक्षा और व्यावसायिक संचालन के प्रशिक्षण से सुसज्जित, ये महिलाएं अब खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करते हुए स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता वाला स्ट्रीट फूड वितरित कर रही हैं। श्री शशि रंजन, प्रबंध निदेशक, डैनोन इंडिया ने कहा,डैनोन में हम अधिक से अधिक लोगों तक भोजन के माध्यम से स्वास्थ्य पहुंचने के अपने मिशन के अनुरूप लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एफएसएसएआई की 'ईट राइट' पहल के साथ अपनी साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य सुरक्षित खाद्य क्षेत्र बनाना और अपने समुदायों में बेहतर स्वच्छता को बढ़ावा देना है।

महिलाओं को आवश्यक संसाधनों और कौशल से लैस करके, हम उन्हें उच्च खाद्य सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करते हुए स्थायी आजीविका बनाने में सक्षम बना रहे हैं। यह सार्थक रोजगार के अवसर पैदा करके और भारत के आर्थिक विकास में उनकी भूमिका को मजबूत करके सामाजिक प्रभाव और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति डैनोन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ मिलकर, हम स्वस्थ समुदायों और एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।"

डॉ. वेदप्रकाश दुबे को माँ भारती राष्ट्रीय सेवा सम्मान

आदेश मिश्र/मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुम्बई के एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय से संबद्ध श्रीमती पी.एन. दोशी महिला महाविद्यालय के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वेदप्रकाश दुबे को विश्व गंगा वाहिनी एवं शोध संस्थान (रजि.) फतेहाबाद, (आगरा-1) द्वारा माँ भारती राष्ट्रीय सेवा सम्मान2025 से सम्मानित किया गया है। डॉ दुबे को यह सम्मान उनकी राष्ट्र भक्ति, साहित्य-साधना, शैक्षणिक सेवाओं, हिंदी भाषा विकास, शोध आदि क्षेत्रों में अमूल्य योगदान के लिए दिया गया।

त्योहारी सीजन में पेटीएम पर 51 रुपये से खरीदें डिजिटल सोना

मुंबई। सोने को पारंपरिक रूप से भारतीय घरों में बचत का सबसे पसंदीदा माध्यम माना गया है, जिसे त्योहारों पर खरीदा जाता है और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता है। ओणम जो केरल का सबसे लोकप्रिय और बेसब्री से इंतजार किया जाने वाला त्योहार है। इसे सोना खरीदने का शुभ समय भी माना जाता है, जो समृद्धि, प्रचुरता और नई शुरुआत का प्रतीक है। इस ओणम परिवार पेटीएम ऐप पर सिर्फ 51 रुपये से अपना डिजिटल गोल्ड सफर शुरू कर सकते हैं। सोना बीमित और ऑडिटेड वॉल्ट्स में सुरक्षित रूप से रखा जाता है, जिससे भौतिक स्टोरेज या लॉकर की जरूरत खत्म हो जाती है। भारत के सबसे विश्वसनीय पेमेंट ऐप के रूप में, पेटीएम गोल्ड शुद्धता, सुरक्षा और पारंपरिक सोने की खरीद से जुड़ी छिपी लागत जैसी आम चिंताओं का समाधान करता है। यह तुरंत खरीद के लिए 24के शुद्ध सोना उपलब्ध कराता है। दीर्घकालिक बचत को बढ़ावा देने के लिए, पेटीएम लचीले निवेश विकल्प प्रदान करता है जैसे दैनिक, साप्ताहिक और मासिक योगदान। कीमतें लाइव मार्केट रेट्स पर आधारित होती हैं और हर लेनदेन को डिजिटल लॉकर में सुरक्षित रूप से दर्ज किया जाता है। जमा सोने को भौतिक सिक्कों के रूप में रिडीम किया जा सकता है या प्लेटफॉर्म पर वापस बेचा जा सकता है। रिडेम्पशन के दौरान प्लेटफॉर्म वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुसार हॉलमार्कड, बीआईएस-प्रमाणित सोने की डिलीवरी सुनिश्चित करता है। पेटीएम गोल्ड में निवेश करने के लिए पेटीएम ऐप पर सर्च बार में पेटीएम गोल्ड या डेली गोल्ड एसआईपी खोजें। बाय मोर पर टैप करके बाद में इसमें निवेश राशि दर्ज करें (कम से कम 51 रुपये से शुरुआत)। जीएसटी सहित लाइव सोने की कीमत देखें और एकमुश्त खरीद या दैनिक/साप्ताहिक/मासिक एसआईपी में से चुनें। इसके बाद भुगतान का तरीका चुनें (यूपीआई, नेट बैंकिंग या डेबिट कार्ड) और खरीद पूरी करें। सफल लेनदेन पर, सोना बीमित वॉल्ट्स में सुरक्षित रखा जाता है और पुष्टि एसएमएस व ईमेल से मिलती है। डेली गोल्ड एसआईपी लोगों को छोटे-छोटे, नियमित निवेश करने में सक्षम बनाता है, जिससे समय के साथ आसानी से सोना जमा किया जा सके। यह व्यवस्थित तरीका अनुशासित बचत को बढ़ावा देता है और बिना एकमुश्त खरीद के मूल्य औसत का लाभ प्रदान करता है।

श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने लॉन्च किए क्रॉप प्रोटेक्शन एवं स्पेशलिटी प्लांट न्यूट्रिशन के आधुनिक उत्पाद

मुंबई/मुजफ्फरपुर। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने होटल मौर्या, पटना, बिहार में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान क्रॉप प्रोटेक्शन, स्पेशलिटी प्लांट न्यूट्रिशन एवं वैजीटेबल सीड सेगमेन्ट में नए दौर के 6 प्रोडक्ट्स का लॉन्च किया, जहां क्षेत्र के 125 से अधिक प्रमुख चैनल पार्टनर्स इन आधुनिक समाधानों के उद्घाटन के अवसर पर इकट्ठा हुए। इतना ही नहीं, इन चैनल पार्टनर्स एवं ऑनलाइन व्यूअर्स ने श्रीराम सुपर स्वीट सीड स्कीम के भव्य पुरस्कार समारोह में भी हिस्सा लिया। भारतीय किसानों की जरूरतों और स्थायी कृषि के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए कंपनी दो आधुनिक लिक्विड फर्टीलाइजर लेकर आई है- श्रीराम पिकासोल और श्रीराम मैगनिका। ये दोनों प्रोडक्ट एक पेटेंटेड टेक्नोलॉजी के जरिए बायोएक्टिव टाइटेनियम (भारत में पहली बार) के साथ विकसित किए गए हैं। टाइटेनियम पौधे को पर्यावरणी तनाव झेलने की ताकत देता है, यह पोषक तत्वों (न्यूट्रिएन्ट) के उपयोग को अधिक प्रभावी बनाकर किसानों को बेहतर मुनाफा देता है। श्रीराम पिकासोल फल के रंग को गहरा और एक समान बनाने में मदद करता है, वहीं श्रीराम मैगनिका फल के आकार को एक समान बनाकर इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाता है। ये दोनों ही मुद्दे निर्यात एवं प्रीमियम मार्केट्स के लिए बहुत अधिक मायने रखते हैं। साथ ही कंपनी ने ह्यश्रीराम स्प्रेट वैजीटेबल्सह्व का भी लॉन्च किया, जिसे खासतौर पर सब्जियों के पोषण के लिए विकसित किया गया है, यह प्रोडक्ट पौधे के विकास को तेज करता है और फलों के एक समान विकास में मदद करता है। अपने कीटनाशक पोर्टफोलियो को सशक्त बनाने के लिए कंपनी ने श्रीराम क्रोन के लॉन्च की घोषणा की, जो धान की फसल को स्टेम बोरर एवं लीफ फोल्डर से सुरक्षित रखता है। इसके अलावा ह्यश्रीराम एकराइटरह्व को भी पेश किया गया, यह एक हर्बीसाईड है जो मक्के एवं गन्ने में खरपतवार को नियन्त्रित रखने में कारगर है।

पाचन को मजबूत बनाने के लिए बादाम खाएं

मुंबई/पटना। दो नए व्यापक शोध पत्रों में यह दर्शाया गया है कि रोजाना बादाम का सेवन एक स्वस्थ पाचन तंत्र को बनाए रखने में सहायक हो सकता है। मुख्य निष्कर्ष: बादाम संभावित प्रीबायोटिक के रूप में कार्य करते हैं – ऐसा आहार स्रोत जो लाभकारी आंत बैक्टीरिया की वृद्धि को प्रोत्साहित करता है और स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बनाए रखने में मदद करता है।

बादाम के सेवन से ब्यूटायरेट नामक शॉर्ट-चेन फैटी एसिड का निर्माण बढ़ता है, जो आंतों और हृदय के अच्छे स्वास्थ्य में सहायक होता है।

बादाम आंत और हृदय को जोड़ने वाले मार्ग, जिसे गट-हार्ट एक्सिस ' कहा जाता है, में भूमिका निभा सकते हैं। पहले समीक्षा के निष्कर्ष: बादाम का संभावित प्रीबायोटिक प्रभाव कैलिफोर्निया आलमंड बोर्ड द्वारा प्रायोजित पहले शोध में यह समीक्षा की गई कि किस प्रकार बादाम एक संभावित प्रीबायोटिक के रूप में कार्य कर सकते हैं और यह आंत स्वास्थ्य को कैसे लाभ पहुँचा सकते हैं। प्रीबायोटिक्स ऐसे तत्व होते हैं जो बड़ी आंत में मौजूद लाभकारी बैक्टीरिया को पोषण प्रदान करते हैं, जिससे उनकी संख्या और कार्यक्षमता बढ़ती है। यह संतुलित व विविध आंत माइक्रोबायोटा को बनाए रखने में सहायक होता है, जो स्वस्थ पाचन, मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली और नवीनतम शोधों के अनुसार, बेहतर मस्तिष्क कार्य और रोग प्रतिरोध में भी भूमिका निभा सकता है। व्यापक समीक्षा में यह निष्कर्ष निकला कि बादाम एक कार्यात्मक खाद्य पदार्थ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, विशेष रूप से उनके प्रीबायोटिक गुणों के कारण। बादाम आंत की सेहत के लिए इन तरीकों से फायदेमंद साबित हुए: आंत में अच्छे बैक्टीरिया का संतुलन और विविधता बेहतर बनाना।

जिला परिषद में विकास कार्यों के लिए ऑनलाइन होगा ठेकेदारों का पंजीकरण व कामों का वितरण

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के निर्माण विभाग द्वारा अब ठेकेदार पंजीकरण और विकास कार्यों का वितरण पूरी तरह से ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से किया जायेगा। इस नई व्यवस्था में मजदूर सहकारी संस्थाएँ (मकासस) और शिक्षित बेरोजगार इंजीनियर केवल ऑनलाइन पंजीकरण के बाद ही कार्य वितरण प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। यह जानकारी जिला परिषद पालघर के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं कार्यवितरण समिति के अध्यक्ष रविंद्र शिंदे द्वारा दी गई है।

ज्ञात हो कि पुणे, सातारा, सांगली, अहमदनगर और ठाणे जिलों में पहले से ही ठेकेदार पंजीकरण और कामों का वितरण कंप्यूटर लॉटरी प्रणाली से किया जा रहा है। अब पालघर जिला भी इसी धारा से जुड़ गया है। पंजीकरण के लिए इच्छुक संस्थाओं और इंजीनियरों को जिला परिषद की वेबसाइट ि"६ंइंस्त्रस्त्रं"१९स्त्र.ल्ल पर जाकर आवश्यक मूल प्रमाणपत्र अपलोड करने होंगे। कार्यालय द्वारा प्रमाणपत्रों की जांच के बाद प्रत्येक पंजीकृत संस्था/व्यक्ति को अलग-अलग आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके बाद ही वे कामवितरण की प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। गौरतलब हो कि 11 जुलाई 2025 को हुई कार्यवितरण समिति की बैठक में इस ऑनलाइन प्रणाली का डेमो प्रस्तुत कर मार्गदर्शन दिया गया था। पंजीकरण या प्रमाणपत्र अपलोड करते समय यदि किसी को तकनीकी समस्या आती है तो निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता से दूरभाष क्रमांक 02525-205416 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला परिषद प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय कालीधोंड में उत्साहपूर्वक मनाया गया बैलपोला उत्सव

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला परिषद प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय, कालीधोंड (ता. जव्हार, जि. पालघर) में पारंपरिक कृषि पर्व बैलपोला उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। यह अवसर केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन न होकर बच्चों में ग्रामीण संस्कृति, कृषि परंपरा और सामाजिक जागरूकता की शिक्षा देने का माध्यम बना। इस विशेष कार्यक्रम में जव्हार पुलिस स्टेशन के पी.एस.आई. सोनवणे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को 2012 के पोक्सो अधिनियम (ढडउरड अू३) की जानकारी दी और बच्चों को बाल सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग द्वारा शुरू किए जा रहे विशेष अभियान का शुभारंभ भी किया। इस दौरान अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों को कानून और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य भाऊसाहेब शेटे ने बैलपोला उत्सव का सांस्कृतिक महत्व समझाते हुए बताया कि यह पर्व किसानों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। महाराष्ट्र की कृषि परंपरा में बैलों का विशेष योगदान है, क्योंकि वे खेती का मुख्य आधार हैं। बैलपोला के दिन किसान अपने बैलों को सजाते हैं, उनकी पूजा करते हैं, उन्हें विशेष व्यंजन जैसे पूरणपोली का नैवेद्य अर्पित करते हैं और गांवों में बैलों की भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। शेटे सर ने बच्चों को यह भी बताया कि यह दिन किसान और बैल के रिश्ते में आभार, श्रद्धा और आनंद का प्रतीक है। इस अवसर पर विद्यालय में बैलपोला को पारंपरिक ढंग से मनाया गया। बच्चों को प्रत्यक्ष रूप से यह दिखाने के लिए बैल पूजा और शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इससे विद्यार्थियों ने न केवल त्योहार का आनंद लिया बल्कि कृषि संस्कृति और परंपराओं की गहराई को भी समझा। कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय के सह-शिक्षक सूर्यवंशी सर सहित एनजीओ की शिक्षिकाएँ जयश्री भोये मैडम और योगिता बोम्बाडे मैडम ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने बच्चों को ग्रामीण जीवन, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायी मार्गदर्शन दिया। इस दौरान पूरे विद्यालय परिसर में आनंद और उल्लास का माहौल बना रहा।

प्लास्टिक बंदी के के नाम पर मनपा अधिकारी की दादागिरी, दुकान से उठा ले गए फ्रिज और कंप्यूटर

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका को स्वच्छता में प्रथम क्रमांक मिलने का श्रेय महापालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ जनता को भी जाता है। परंतु इस उपलब्धि के बाद महापालिका के कुछ अधिकारी प्लास्टिक बंदी के नाम पर मनमाना जुमार्ना वसूलने का काम कर रहे हैं। जुमार्ना न भरने पर दुकान में रखा सामान भी उठा ले जा रहे हैं। इससे दुकानदारों में दहशत का माहौल है। ऐसी ही एक घटना प्रभाग क्रमांक 6 में देखने को मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार राम सिंह दहिया की काशीमीरा में शिवाजी की प्रतिमा के पास एक मेडिकल स्टोर है। आज सुबह स्वच्छता विभाग का एक निरीक्षक कुछ कर्मचारियों के साथ उनकी दुकान पर आया। प्लास्टिक के नाम पर उसने दुकानदार पर 5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया। दहिया ने कहा कि इस समय उसके पास पैसे नहीं है ,वह बाद में जुमार्ना भर देगा। परंतु निरीक्षक ने उसकी एक नहीं सुनी। उसने साथ आए कर्मचारियों की मदद से दुकान के भीतर सामान सहित फ्रिज तथा कंप्यूटर उठवाकर बीएमसी की गाड़ी में रखा और चला गया। दुकानदार पूरी तरह से सदमे में आ गया। जब यह घटना भाजपा के 145 विधानसभा चुनाव प्रमुख एडवोकेट रवि व्यास को मालूम पड़ी तो उन्होंने तत्काल महापालिका आयुक्त को पत्र लिखकर उस स्वच्छता निरीक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। रवि व्यास के अनुसार यह एक प्रकार से सरेआम गुंडागर्दी है। दुकानदार के पास पैसे नहीं थे। वह बाद में फाइन भरने के लिए तैयार था। ऐसे में दुकान से कीमती सामान उठा ले जाना अन्याय पूर्ण और निंदनीय है। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो चुकी है।

एल्डर्ली केयर सेवाओं का ठाणे में शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वर्ल्ड सीनियर सिटिजन डे के अवसर पर, केआईएमएस हॉस्पिटल्स, ठाणे और इमोहा, भारत का अग्रणी जेरियाट्रिक केयर ब्रांड, ने ठाणे में बुजुर्गों की देखभाल को पुनर्परिभाषित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की। 200 वरिष्ठ ठाणे निवासियों की उपस्थिति में एल्डर्ली केयर सेवाओं का शुभारंभ किया गया। इस लॉन्च के बाद केआईएमएस हॉस्पिटल्स, ठाणे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक मुफ्त सुपर स्पेशियलिटी कैंप का आयोजन किया गया। साथ मिलकर, वे देखभाल का एक संपूर्ण सिस्टम बना रहे हैं जो वरिष्ठ नागरिकों को न केवल शारीरिक रूप से बल्कि भावनात्मक रूप से भी समर्थन देता है - यह सुनिश्चित करता है कि हर आजी और अजोबा सुरक्षित महसूस करें और उन्हें पूरा सहयोग एवं देखभाल मिले। केआईएमएस हॉस्पिटल्स, ठाणे में जेरियाट्रिक केयर पार्टनर के रूप में, इमोहा यह सुनिश्चित करेगा कि बुजुर्गों को उनकी अनूठी और अक्सर जटिल स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष इलाज प्राप्त हो। यह साझेदारी अस्पताल और घर के बीच की महत्वपूर्ण दूरी को कम करती है। केआईएमएस हॉस्पिटल्स, ठाणे से डिस्चार्ज होने वाले वरिष्ठ लोगों को घर पर विशेषज्ञ चिकित्सा समर्थन और करुणामयी देखभाल प्राप्त होती रहेगी, जिससे उनकी बीमारी दोबारा उभरने, फिर से अस्पताल में भर्ती होने और भावनात्मक तनाव का जोखिम कम होगा। इमोहा की प्रशिक्षित देखभाल करने वाली और नर्सिंग टीम दवाइयाँ देने, सारे वाइटल्स की निगरानी करने से लेकर दैनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं में सहायता करने तक निरंतर समर्थन प्रदान करेगी वे यह सुनिश्चित करेंगी कि बुजुर्ग अपने घरों में आराम से सुरक्षित रूप से ठीक हों।

देखभाल का भावनात्मक पक्ष भी बहुत जरूरी है। इमोहा ऐप के जरिए, वरिष्ठ नागरिक देश भर के अन्य वरिष्ठ लोगों के एक जीवंत समुदाय से जुड़ सकते हैं। वे ऑनलाइन शो, बातचीत के सत्र और खास आयोजनों का आनंद ले सकते हैं, जो उनके जीवन में खुशी, उद्देश्य और दोस्ती लाते हैं। इमोहा का समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण और स्थानीय मौजूदगी यह सुनिश्चित करती है कि वरिष्ठ अपने परिवार और समुदाय में सक्रिय, जुड़े हुए और सम्मानित रहें।

सौरभ गुप्ता, रीजनल सीओओ, केआईएमएस हॉस्पिटल्स ने कहा, इस लॉन्च के साथ, किम्स हॉस्पिटल्स, ठाणे को एक ऐसा एल्डर केयर प्रोग्राम शुरू करने पर गर्व है, जो अस्पताल से आगे जाता है। यह पहल ठाणे के हर वरिष्ठ को बेहतरीन चिकित्सा देखभाल, घर पर व्यक्तिगत सहायता और भावनात्मक समर्थन देने की दिशा में एक कदम है। इमोहा के साथ हमारी साझेदारी क्षेत्र में बुजुर्गों की देखभाल में बदलाव लाने की शुरूआत है।

सौम्यजीत रॉय, सीईओ और सह-संस्थापक, इमोहा एल्डरकेयर ने कहा, बुजुर्गों की देखभाल केवल बीमारी का इलाज करने के बारे में नहीं है बल्कि यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि वे गरिमा, सुरक्षा और खुशी के साथ रहें।

किम्स हॉस्पिटल्स, ठाणे के साथ मिलकर हम देखभाल का एक संपूर्ण तंत्र बना रहे हैं जो शारीरिक देखभाल और भावनात्मक समर्थन को एक भरोसेमंद जगह पर लेकर आता है।

भिवंडी भाजपा जिलाध्यक्ष रविकांत सावंत के जन्मदिन पर जन कल्याण चैरिटेबल द्वारा नोटबुक बितरण

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष रवीकांत सावंत के 50वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सामाजिक उपक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर दादासाहेब दांडेकर विद्यालय के विद्यार्थियों को 500 नोटबुक वितरित की गईं। ट्रस्ट के ट्रस्टी मंगेश यादव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज की सच्ची पूंजी है और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना हमारा कर्तव्य है। रवीकांत सावंत जी के जनसेवा और समाजहितैषी कार्यों से प्रेरणा लेते हुए ट्रस्ट निरंतर ऐसे उपक्रम करता रहेगा । इस कार्यक्रम से विद्यालय के विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति उत्साह देखा गया और विद्यार्थियों ने रवीकांत सावंत को 50वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रविकांत सावंत, राजू गाजेंगी, श्याम भोईर, विकास बाफना, ट्रस्ट के ट्रस्टी विनोद येनागंदला, बुक वितरण कार्यक्रम संयोजक व सदस्य समीर शेख, पी डी यादव, मनीष यादव, मुकेश चौबे, रामनारायण सोनी, मंजुलता दुबे, पूनम कनौजिया आदि लोगों का विशेष योगदान रहा है।

संतों की संगति से ही होता है ईश्वर का साक्षात्कार : अंकुश महाराज कुमठेकर

घाटकोपर(उत्तरशक्ति)। तरी अवधान एकले दिजे, मग सर्व सुखांसी पात्र होईजे₹ – इस ज्ञानेश्वरी की ओवी (श्लोक) को उद्धृत करते हुए ह.भ.प. अंकुश महाराज कुमठेकर ने श्रोताओं के मन में आध्यात्मिक रस घोल दिया। इस ओवी का भाव स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, ₹संतों की संगति से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है। परमेश्वर सर्वत्र है, हमारे भीतर भी है, परंतु यदि हमें उसका साक्षात्कार करना है, तो संतों की सेवा करनी होगी, उनकी वाणी से ज्ञान लेना होगा।

श्रावण मास के पावन अवसर पर घाटकोपर स्थित बालगोपाल भजन मंडल और रायगढ़ क्रीड़ा मंडल द्वारा संयुक्त रूप से ग्रंथराज ज्ञानेश्वरी प्रवचन का आयोजन किया गया है। यह प्रवचन श्रृंखला 26 जुलाई से 24 अगस्त 2025 तक प्रतिदिन रात्रि 9:30 से 10:30 बजे तक एक घंटे के लिए आयोजित की गई है। इस प्रवचनमाला का समापन 24 अगस्त को ह.भ.प. बाळकृष्ण महाराज अहिरे के भक्तिमय कीर्तन से होगा। प्रवचन के दौरान अंकुश महाराज कुमठेकर ने आगे कहा, परमार्थ के मार्ग में मन, वाणी और शरीर – इन तीनों से ईश्वर का स्मरण करना चाहिए। कथा, कीर्तन और भजन के माध्यम से आत्मिक शांति प्राप्त होती है, और यही मार्ग अंततः ईश्वर दर्शन की ओर ले जाता है। ज्ञानेश्वरी के नववें अध्याय की पहली ओवी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ज्ञानोबा माऊली इस ओवी के माध्यम से हमें अवधान देने का संदेश देते हैं। इसका अर्थ है कि जब हम एकाग्रता से कथा या कीर्तन सुनते हैं, तो हमारे अंतरमन की शुद्धि होती है और वहीं से ईश्वर के अनुभव की शुरूआत होती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रदेश स्तरीय सब-जूनियर बालिका हैण्डबाल एवं सब-जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता एक सितंबर से

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 हैण्डबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय समन्वय सब-जूनियर बालिका हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन 01 से 04 सितम्बर 2025 तक बाराबंकी में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर की सब-जूनियर बालिका हैण्डबाल खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 23 अगस्त 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सब-जूनियर बालिका हैण्डबाल खिलाड़ी ही 25 अगस्त 2025 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में प्रातः 8.30 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगी। सब-जूनियर बालिका हैण्डबाल खिलाड़ियों की जन्म तिथि 01 जनवरी 2011 या उसके बाद की होनी चाहिए।खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 फुटबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय समन्वय सब-जूनियर बालक फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 31 अगस्त से 07 सितम्बर, 2025 तक पीलीभीत में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के सब-जूनियर बालक फुटबाल खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 25 अगस्त 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सब-जूनियर बालक फुटबाल खिलाड़ी ही 29 अगस्त 2025 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ ट्रायल्स, जो डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा, वाराणसी में अपरान्ह 2.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। सब-जूनियर बालक फुटबाल खिलाड़ियों की जन्म तिथि 01 जनवरी 2012 या उसके बाद तथा 31 दिसम्बर, 2013 तक या उसके पूर्व का होना चाहिए। मण्डल स्तरीय चयन /ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं।

तहसील शाहगंज में साप्ताहिक बंदी का आदेश बेअसर

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, काम और निजी जीवन के बीच बेहतर संतुलन :डॉ रफीक फारुकी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील में साप्ताहिक बंदी बेअसर हो चुकी है जबकि साप्ताहिक बंदी की मंशा यह है कि व्यापारी व मजदूर को एक दिन का अवकाश मिले उसे उनके कार्य क्षमता में वृद्धि होने के साथ ही काम में गुणवत्ता भी आएगी ।लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है बंदी ना होने से अन्य दुकानदारों को भी दुकान खोलनी पड़ती है। उद्योग व्यापार मंडल भी नजर अंदाज करता दिखाई पड़ता है नगर के व्यवसायी राम अर्जुन ने बताया कि सप्ताह में एक दिन अवकाश न मिलने से उलझन नींद में कमी है। एकाग्रता में कमी, थकान, सुस्ती तनाव, आज की स्थिति बनी रहती है जबकि तहसील शाहगंज का नगरी क्षेत्र एक बड़ा व्यवसायिक व्यापारिक क्षेत्र है जहां पर अंबेडकर नगर, आजमगढ़, सुल्तानपुर, जौनपुर सहित अन्य जिले के व्यापारी व्यापार के लिए आते हैं। यह एक बडा व्यवसायिक व्यापारिक क्षेत्र है जहां पर गल्ला मंडी, मसाला मंडी, सब्जी मंडी, सहित तेल का बड़ा व्यावसायिक क्षेत्र है। शाहगंज तहसील क्षेत्र के खेतासराय में सोमवार, गुरैनी में शनिवार, खुटहन बाजार में सोमवार को साप्ताहिक बंदी का निर्णय है। जबकि शाहगंज नगर, एक बड़ा व्यवसायिक व्यापारिक क्षेत्र है जहां पर गल्ला मंडी , मसाला मंडी, गुप्ता गली, रामलीला चौक , एराकियाना, घासमंडी चौराहा, पुरानी बाजार विवेकानन्द चौराहा, नई सब्जी मंडी रोड आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में व्यापारिक प्रतिष्ठान है जहां पर काफी संख्या में मजदूर काम में लगे रहते हैं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने बताया कि मजदूरों को सप्ताह में एक दिन अवकाश मिलने से कई लाभ होते हैं, जिनमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, काम और निजी जीवन के बीच बेहतर संतुलन, और उत्पादकता में वृद्धि शामिल हैं। शाहगंज में बृहस्पतिवार को साप्ताहिक बंदी का निर्णय है। जिसको लेकर विगत कुछ दिनों पूर्व नगर पालिका परिषद शाहगंज की तरफ से संचार लाउडस्पीकर के सूचना भी प्रसारित किया गया था। जबकि बाजार में इसका पालन नहीं किया जा रहा है साप्ताहिक बंदी के दिन सभी दुकान अन्य दुकानों की तरह खुली रहती हैं व्यापारी इंद्रमणि बताते हैं की बंदी का विशेष लाभ यह है कि हम अपने परिवार व निजी कार्यों के लिए एक दिन दे सके यदि सातों दिन काम करेंगे तो मानसिक तनाव बढ़ेगा दुकानदार लालचंद यादव बताते हैं कि इस साप्ताहिक बंदी से लाभ होता है लेकिन जब सभी व्यापारी इसका पालन करें। अधिकांश व्यापारी इसका पालन नहीं करते हैं इसलिए मजबूरी में दुकान खोलना पड़ता है। साप्ताहिक बंदी का नियम शक्ति से लागू होना चाहिए। उसके लागू होने से सभी का फायदा होगा। व्यापारियों की सुविधा के लिए ही साप्ताहिक बंदी का नियम बनाया गया है इसमें श्रम विभाग के अधिकारियों की उदासीनता के चलते साप्ताहिक बंदी वर्तमान में भी बेअसर है।

ओवरटेक को लेकर रोडवेज बस में हुई मारपीट

चन्दवक, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी-आजमगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग के चंदवक बाजार के समीप रोडवेज बस व टैम्पो के ओवरटेक करने को लेकर बस परिचालक व टेम्पो चालक में जमकर मारपीट हो गई। मिली जानकारी के अनुसार रोडवेज बस वाराणसी से आजमगढ़ की तरफ जा रही थी। जैसे ही चंदवक बाजार के समीप गोमती नदी पुल से आगे निकली तभी पीछे से आ रहा टैम्पो चालक ओवरटेक करने लगा ओवरटेक के दौरान दोनों में कहासुनी होने लगी। विवाद इतना बढ़ गया कि परिचालक व टैम्पो चालक में मारपीट होने लगी। मारपीट होते देख बस चालक बीच बचाव करने पहुंचा जिस पर टैम्पो चालक ने बस चालक को मारने पीटने लगा। पिटता देख चालक बस को चंदवक थाने गेट पर खड़ा कर लिखित तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस पीड़ित के तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई। मामले को लेकर थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांचोपरांत कार्यवाही की जायेगी।

तमंचा कारतूस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

-मो.आसिफ सिद्दीकी

गुरैनी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा तमंचा कारतूस के एक आरोपी गिरफ्तार।थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा ग्राम भुडकुडहा मोड से अरसद उर्फ निरहू पुत्र सलाऊ उर्फ मुखई निवासी लेदरही थाना खेतासराय जिला जौनपुर को एक देशी तमंचा.315 बोर व एक जिंदा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी बरामदगी के आधार पर आरोपी उपरोक्त के विरुध्द मु0अ0सं0 161/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना खेतासराय जनपद जौनपुर पंजीकृत किया गया।

दरोगा ने युवकों को सार्वजनिक स्थान पर मारे थप्पड़, वीडियो वायरल

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र में एक पुलिस दरोगा का विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सरायबीरू कस्बा पुलिस चौकी के पास का यह मामला है। कस्बा चौकी प्रभारी धनुषधारी पाण्डेय ने दो युवकों को सार्वजनिक स्थान पर थप्पड़ मारे। घटना उस समय हुई जब दो युवक आपस में गाली-गलौज और हाथापाई कर रहे थे। चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और दोनों युवकों को पकड़कर थप्पड़ मारने लगे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दरोगा को युवकों को गालियां देते हुए भी सुना जा सकता है। यह घटना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। इस विषय पर सीओ केराकत अजीत कुमार रजक ने बताया कि ये वीडियो दो दिन पुराना है। बुधवार की शाम को केराकत चौराहे के पास दो युवक आपस में मारपीट व गाली गलौज कर रहे थे। दरोगा धनुष धारी पांडेय सूचना पर मौके पर पहुंचे हैं। वो घटना स्थल पर अकेले थे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए उन्होंने हल्का बल का प्रयोग किया था। जिसमें दोनों युवकों का धारा 151 में चालान किया गया है।

05 वर्षों से अधिक पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराए: जिलाधिकारी जौनपुर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन गांवों में चकबंदी प्रक्रिया के संबंध में जनविरोध है। वहां पर एसओसी और संबंधित उपजिलाधिकारी संयुक्त रूप से चौपाल का आयोजन करते हुए।कृषकों के साथ खुली बैठक कर समस्याओं का निस्तारण करें तथा चकबंदी समिति का गठन करते हुए अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। 05 वर्षों से अधिक पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय में दाखिल रिट में निर्धारित तिथि से एक सप्ताह पूर्व जिलाधिकारी के समक्ष अवश्य प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम सभा की जमीनों पर किसी भी व्यक्ति को भवन निर्माण आदि की अनुमति न दी जाए। अनुमति प्रदान करने की दशा में इसका सत्यापन पूर्व में ही करा ले। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, डीडीसी चकबंदी राम किशोर, एसओसी शैलेश कुमार पांडे चकबंदी अधिकारी सहायक चकबंदी अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 1 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं अनिल कुमार वर्मा-प्रथम, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर के तत्वावधान में दिनांक 01 जुलाई 2025 से 30 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण किया जायेगा। इस मध्यस्थता अभियान में वैवाहिक विवाद के मामलें, दुर्घटना दावे के मामले, घरेलू हिंसा के मामले, चैक बाउन्स के मामले, वाणिज्यिक विवाद के मामले, सेवा विवाद के मामले, शमनीय आपराधिक मामले, उपभोक्ता विवाद के मामले, ऋण वसूली के मामले, सम्पत्ति के बंटवारे से संबंधित मामले, बेदखली से संबंधित मामले, भूमि अधिग्रहण के मामले, अन्य उपयुक्त दीवानी मामले आपसी सुलह-समझौतें के आधार पर निस्तारित किये जायेगें। अतः वादकारी गण एवं अधिवक्ता गण अपने-अपने वादों से सम्बन्धित न्यायालयों में सम्पर्क स्थापित कर वादों को मध्यस्थता हेतु सुलह-समझौता केन्द्र, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर में संदर्भित करायें एवं अधिकतम वादों का निस्तारण कराकर उक्त अभियान का लाभ उठायें।

पत्नी के बिना रजामंदी से युवक ने रचाई भाभी से शादी

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बारी गांव में एक विवाहिता ने अपने पति पर अपने ही भाभी के साथ शादी रचा लेने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर अपने पति पर मुकदमा दर्ज कराया। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बारी गांव की प्रमिला यादव ने बृहस्पतिवार शाम को थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं उसकी बिना रजामंदी से उसके पति विनय यादव ने अपनी भाभी से ही दूसरी शादी रचा ली है, और वह अपनी भाभी सुषमा को पत्नी का दर्जा देते हुए सूरत में लेकर रह रहा है, जानकारी होने पर कारण पूछने पर पति विनय फोन करने पर गाली गलौज देकर जान से मारने की धमकी देता है। महिला ने गौराबादशाहपुर थाने पहुंचकर अपने पति के विरुद्ध कार्रवाई के लिए तहरीर दिया। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर यजुवेंद्र कुमार सिंह ने मामले की जांच हल्का प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह से कराई तो मामला सत्य पाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर विवाहिता के पति विनय यादव, चचिया ससुर धर्मराज और देवर अजय राज के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

धोखाधड़ी से सम्बन्धित आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइनबाजार पुलिस द्वारा धोखाधड़ी से सम्बन्धित एक शातिर वांछित आरोपी गिरफ्तार। प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह थाना लाइन बाजार जनपद जौनपुर में उ0नि0 राजीव मल्ल मय हमराह के देख भाल क्षेत्र से थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-270/23 धारा-420/467/468/409/120-बी भादवि0 थाना लाइन बाजार जौनपुर से सम्बन्धित अभियुक्त हिमांशु राज मणि पुत्र सुरेश राजमणि त्रिपाठी निवासी न्यू भगौती कालोनी थाना लाइन बाजार जौनपुर को मुखबीर खास की सूचना पर मातापुर क्रासिंग के पास से गिरफ्तार न्यायालय भेजा गया।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि होंगे रिलायंस जियो के प्रेसीडेंट सुनील दत्त

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का 29 वां दीक्षांत समारोह आगामी 6 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारी को लेकर शुक्रवार को आर्यभट्ट सभागार में कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने राजभवन से प्राप्त निदेर्शों की जानकारी सभी संयोजकों को दी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह के सुचारु संचालन हेतु कुल 53 समितियों का गठन किया है। सभी विंदुओं पर कुलसचिव ने प्रगति की जानकारी ली। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डिवाइस एंड सेल्स रिलायंस जियो इफोकाम लिमिटेड के प्रेसीडेंट सुनील दत्त होंगे। सभी संयोजकों से उन्होंने कहा कि वे अपनी-अपनी टीमों के साथ पूरी प्रतिबद्धता से तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय की गरिमा और पहचान का उत्सव है। इसलिए सभी समितियां इसे ऐतिहासिक और अनुकरणीय बनाने में कोई कोर-कसर न छोड़ें। इस अवसर पर संयोजकों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए। ताकि आयोजन को और अधिक सफल एवं व्यवस्थित बनाया जा सके। बैठक का संचालन कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, छात्र अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजकुमार सोनी, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. राजबहादुर, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. गिरधर मिश्र, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. अनु त्यागी. उपकुलसचिव बबीता सिंह, अजीत प्रताप सिंह सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारी एवं विभिन्न समितियों के संयोजक मौजूद रहे।

हत्या कांड गवाहों को जान से मारने की धमकी पर तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के संघईपुर गांव के बगीचे में 23 सितम्बर 2024 को रोहित चौहान की हत्या कर दी गयी थी। उस हत्याकाण्ड में वादी मुकदमा बाबूराम ने हत्या के आरोपी अरविन्द उर्फ चिघड़ू पर गवाहों को मारने पीटने तथा जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी गजानन्द चौबे ने बताया कि संघईपुर गांव निवासी बाबूराम चौहान ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनके पुत्र रोहित चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी गयी थी। इस समय ऊक्त मुकदमा की दीवानी न्यायालय में बाबूराम के भाई संजय कुमार की गवाही चल रही है। ऊक्त मामले के आरोपी अरविन्द व अन्य की जमानत उच्च न्यायालय से हो चुकी है। बाबूराम ने बताया कि तीन अगस्त की रात 11 बजे अरविन्द चौहान अपने बड़े बेटे नागेन्द्र चौहान के साथ घर पर आया और गाली गलौज करते हुए संजय को कई थप्पड़ मारा और गवाही देने से मना करने लगा। साथ ही धमकी दिया कि अगर मुकदमे में गवाही दोगे तो जान से मार देंगे। पुलिस ने बाबूराम की तहरीर पर अरविन्द चौहान, नागेन्द्र चौहान, और आशीष उर्फ चिघड़ू के खिलाफ केस दर्ज कर आवश्यक कार्यवाई कर रही है।

जौनपुर :प्रभावशाली लोगों पर एक कुनबे का पुश्तैनी रास्ता बंद करने आरोप

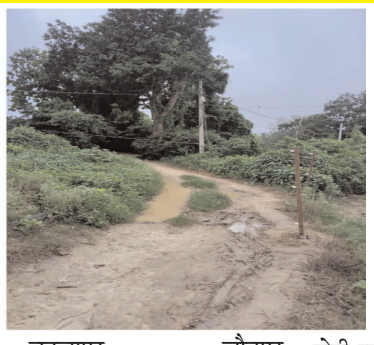

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर क्षेत्र के हरिदास पट्टी गांव में पुश्तैनी आबादी भूमि और परंपरागत निकास मार्ग पर दबंगों के कब्जे से तनाव बढ़ गया है। आरोप है कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोग ने एक परिवार के पारंपरिक चकरोड को तार और झटका मशीन लगाकर पूरी तरह बंद कर दिया है।पीड़ित ने डीएम से लेकर सीएम तक पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार के राधेश्याम यादव , गिरीश यादव और प्रेमचन्द यादव का कहना है कि यह भूमि गाटा संख्या 285 पर दशकों से उनका वैध कब्जा है। इस पर उनका आवास, फलदार वृक्ष और पारिवारिक-सांस्कृतिक गतिविधियां होती रही हैं। पश्चिमी छोर से होकर निकलने वाला चकरोड न केवल उनके लिए बल्कि आसपास के किसानों के लिए भी खेतों तक पहुंचने का मुख्य रास्ता है।

इस भूमि को लेकर पहले से ही विवाद न्यायालय में विचाराधीन है। अदालत ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। थाना बदलापुर प्रभारी निरीक्षक ने भी दोनों पक्षों को लिखित रूप से किसी भी तरह का निर्माण या बदलाव न करने की चेतावनी दी थी। बावजूद इसके, प्रभावशाली परिवार ने आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए गुरुवार की रात रास्ता बंद कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्होंने थाना बदलापुर, तहसील प्रशासन और राजस्व विभाग से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उल्टे घनश्यामपुर चौकी पर तैनात कुछ अधिकारियों पर पक्षपात करने और दबंगों को मौन समर्थन देने का आरोप लगाया गया है। प्रार्थी परिवार के यहां जल्द ही विवाह का कार्यक्रम है। ऐसे में रास्ता बंद होने से बारात व मेहमानों के आवागमन में बाधा आ रही है। परिवार का कहना है कि उक्त परिवार गाली-गलौज और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दे रहा है। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया है।

वाराणसी : केस हारने से आहत फरियादी ने तहसील परिसर में लगाई आग, हालत गंभीर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।वाराणसी के राजा तालाब तहसील परिसर में शुक्रवार को एक फरियादी ने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। फरियादी वशिष्ठ नारायण गौण (निवासी–जोगापुर, मिजार्मुराद) करीब 50 फीसदी तक झुलस गए हैं। पुलिसकर्मियों और वकीलों ने कपड़ा व मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया और उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, वशिष्ठ नारायण का अरविंद बाबू के खिलाफ 122 बाई का मुकदमा तहसीलदार कोर्ट में चल रहा था। कई महीनों से केस लंबित था। तहसीलदार कोर्ट में उनके खिलाफ आदेश हो चुका था, जिसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी कोर्ट में अपील की थी। लेकिन डीएम ने भी अपील निरस्त कर दी। इसी से आहत होकर उन्होंने तहसील परिसर के मंदिर के पास खुद को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि लोग नजदीक जाने से भी डर रहे थे। घायल अवस्था में वशिष्ठ नारायण न्यायिक व्यवस्था को कोसते रहे। फिलहाल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से वाराणसी के बड़े अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

जौनपुर में किशोरी के साथ दुष्कर्म व अपहरण के आरोपित महिला समेत दो गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)।कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत बीबीगंज चौकी क्षेत्र के एक गांव से एक किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म के मामले में पीड़ित के पिता की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में पुलिस ने एक महिला समेत आरोपित युवक को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया है।क्षेत्र के बडौना गांव निवासी हिमांशु पुत्र रामसबद दो माह पूर्व कोतवाली क्षेत्र के बीबीगंज चौकी अंतर्गत एक गांव की एक किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। दो माह तक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक व उसकी मां के विरूद्ध अपहरण दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपितो की तलाश में जुटी हुई थी कि शुक्रवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर कोतवाली निरीक्षक दीपेंद्र सिंह व उपनिरीक्षक नागेश्वर शुक्ला ने आरोपित हिमांशु व मां आरती देवी पत्नी राम सबद को रोडवेज से गिरफ्तार कर सम्बंधित धाराओं में दर्ज मुकदमा में चालान भेज दिया।

समाजसेविका के निधन पर शोक सभा कर दी गई श्रद्धांजलि

सिकरारा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शेरवां गांव निवासी तिलकधारी महाविद्यालय सैन्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर शैलेंद्र नाथ सिंह की माता समाजसेविका प्रेमा देवी के आकस्मिक निधन पर शुक्रवार को शेरवां गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर लोगो ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रेमा देवी शेरवां गांव की दो पंचवर्षीय प्रधान थी। ज्ञात हो कि प्रेमा देवी का बुधवार को निधन हो गया था वे 90 वर्ष की थी। उनके निधन से परिवारजनों के साथ ही शैक्षणिक एवं सामाजिक जगत में शोक की लहर है।

शातिर बाइक चोर गिरफ्तार, दो मोटरसाइकिल बरामद

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के कैण्ट थाना पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत कार्रवाई करते हुए । 19 वर्षीय शातिर बाइक चोर अब्दुल्ला शेख उर्फ सम्राट को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से दो चोरी की मोटरसाइकिलें (स्प्लेंडर प्लस UP65EV8677 और स्प्लेंडर UP65CJ3629) तथा मास्टर चाभी बरामद हुई। गिरफ्तारी हजरत बाबा अली बक्स शहीद मजार के पास गुरुवार देर रात की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं और वह वाराणसी व आसपास में लगातार वाहन चोरी करता रहा है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन व एसीपी कैण्ट की निगरानी में प्रभारी निरीक्षक शिवाकान्त मिश्र के नेतृत्व में टीम ने की। आरोपी से आगे की पूछताछ जारी है।

पार्किंग के विवाद में शिक्षक की ईट से प्रहार कर हत्या

- डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के भेलूपुर थाना क्षेत्र के सनबीम भगवानपुर के शिक्षक डॉ. प्रवीण झा (48) की हत्या गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुए मामूली विवाद में बेरहमी से कर दी गई। घटना कबीर नगर कॉलोनी स्थित मातृ छाया अपार्टमेंट की है, जहां आरोपितों ने शिक्षक पर ईंटों से ताबड़तोड़ प्रहार कर उनकी जान ले ली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद पार्किंग को लेकर हुआ था। देखते ही देखते कहासुनी हाथापाई में बदल गई और आरोपियों ने डॉ. झा को जमीन पर गिराकर सिर पर ईंटों से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल शिक्षक को बचाया नहीं जा सका। सूत्रों का कहना है कि हमलावरों में एक युवक पटना यूनिवर्सिटी के एग्रीकल्चर विभाग के डीन का बेटा बताया जा रहा है। हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार रात में ही मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में चेकिंग अभियान चलाकर दबिश दी। देर रात तीनों हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और वारदात में प्रयुक्त साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन जौनपुर में शुक्रवार परेड की ली गयी सलामी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर द्वारा रिजर्व पुलिस लाईन जौनपुर में शुक्रवार परेड की ली गयी सलामी,तत्पश्चात किया गया निरीक्षण। 22.08.2025 को अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर, आयुष श्रीवास्तव द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर में शुक्रवार साप्ताहिक परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त प्रशिक्षु आरक्षियो/ पुलिसकर्मियों से दौड़ लगवायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाया गया। परेड में शामिल समस्त प्रशिक्षु आरक्षियो/ पुलिसकर्मियों को साफ-सुथरी एवं स्वच्छ वर्दी धारण करने तथा नियमानुसार टर्नआउट मेंटेन करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण करते हुए। आदेश कक्ष में कर्मचारियों का ओ.आर. किया गया तथा अभिलेखों का अवलोकन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

प्रधानाचार्य श्रीमती कविता दुबे के जन्मदिन पर दी गई बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। यू स इंग्लिश एकेडमी स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती कविता दुबे का जन्म दिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। जिसमें उन्हें बड़ी संख्या में लोगों ने दी हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। उनके जन्म दिन को खास बनाने के लिए स्कूल स्टॉप सरिता राय , काजल सिंह , मोनिका , समाजसेवी राजेश वर्मा , श्रीमती माया वर्मा उपस्थित होकर प्रधानाध्यापिका श्रीमती कविता दुबे ने अपना जन्मदिन पर केक काट कर मनाया। कविता दुबे के जन्म पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, पत्रकार राधे श्याम सिंह, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा, राम लाल कनौजिया , तपन सरकार , पप्पू गिरी ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी ।और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

26 अगस्त को है हरितालिका तीज

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज हरितालिका तीज 26 अगस्त 2025 को है। यह व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं और अपने पति की लंबी उम्र और सौभाग्य सुखी वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं । ज्योतिष शिरोमणि धनंजय द्विवेदी ने बताया हरितालिका पूजा का शुभ मुहूर्त 26 अगस्त 2025 को सुबह 06:20 सुबह से 08:52 बजे सुबह तक है। यह व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए अपने पति की लंबी उम्र और सुखी जीवन के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन महिलाएं शिव और पार्वती की मिट्टी या रेत से बनी मूर्तियों की पूजा करती हैं और हरितालिका तीज की कथा सुनती हैं ।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर जेन एस लाइफ ने अच्छी तरह से जीवन जीने की कहानियों का मनाया जश्न

मुंबई। भारत में बढ़ते 60+ समुदाय को समर्पित विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को और समृद्ध बनाने वाले लाइफस्टाइल ऐप जेन एस लाइफ ने अपनी ओरिजिनल पॉडकास्ट सीरीज कहानी अभी बाकी है की घोषणा की है। यह सीरीज 29 अगस्त 2025 को शेमारू लाइफस्टाइल के यूट्यूब चैनल पर विशेष रूप से प्रसारित होगी, जिसके 12 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं। सीधे यूट्यूब पर रिलीज कर इस शो को 60+ दर्शकों को जोड़ने के लिए रणनीतिक रूप से प्रस्तुत किया गया है। इस पॉडकास्ट की मेजबानी करेंगी करिश्माई तराना राजा झ प्रसिद्ध आरजे और भारतीय अभिनेत्री, जो अपनी विशिष्ट आवाज और आकर्षक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। कहानी अभी बाकी है उन अनकही कहानियों और बेबाक अनुभवों का द्वार खोलता है, जो 60+ पीढ़ी के जीवन के अनुभव, ज्ञान, हास्य और जज्बे को उजागर करते हैं, जिनके उनके जीवन को आकार दिया और आज भी प्रासंगिक हैं।

जेन एस लाइफ की संस्थापक मीनाक्षी मेनन ने कहा, इस विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर, हम न केवल उम्र का जश्न मना रहे हैं, बल्कि अपने बुजुर्गों द्वारा दुनिया को दिए गए अनुभव और प्रेरणा का भी जश्न मना रहे हैं। कहानी अभी बाकी है, 60+ समुदाय को जोड़े रखने और उनकी बात सुनने की हमारी प्रतिबद्धता का ही एक विस्तार है। हर कहानी में गहराई, यादें और उम्मीद है। यह पॉडकास्ट समृद्ध जीवन जीने वाले इन अद्भुत वरिष्ठ नागरिकों को वह प्रसिद्धि देता है जिसके वे वास्तव में हकदार हैं। हमारा मानना है कि कहानियों में पीढ़ियों को जोड़ने की शक्ति होती है, और यह सीरीज ऐसा ही करने का हमारा दिल से प्रयास है। आशा, दृढ़ता, प्रेम और जीवन की कहानियाँ।

इनपुट टैक्स क्रेडिट उपलब्ध नहीं है, तो बीमा पर जीएसटी छूट प्रीमियम कम नहीं

मुंबई। जीएसटी मंत्री समूह (जीओएम) ने बीमा उत्पादों को और अधिक किफायती बनाने और भारत के कम बीमा वाले बाजार में पैठ बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम को जीएसटी से छूट देने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, विशेषज्ञ आगाह करते हैं कि जब तक बीमा कंपनियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट बनाए रखने की अनुमति नहीं दी जाती, तब तक इस कदम से प्रीमियम में आनुपातिक कमी नहीं आएगी। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस के सीईओ राकेश जैन ने कहा, 18 प्रतिशत कर का बोझ हटाने से मध्यम वर्गीय परिवारों, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के कमजोर वर्गों को सीधा लाभ होगा, जो अक्सर प्रीमियम को वित्तीय बोझ मानते हैं। लागत की बाधा कम होने से अधिक लोग स्वास्थ्य बीमा अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे, जिससे देश का समग्र सामाजिक सुरक्षा ढांचा मजबूत होगा। हालांकि यह सुधार एक बड़ा बदलाव ला सकता है, लेकिन उलटे शुल्क ढांचे और अप्रयुक्त इनपुट टैक्स क्रेडिट जैसी समस्याओं के कारण परिचालन संबंधी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, जो लागत बढ़ा सकती हैं। जैन ने कहा, इन अक्षमताओं को दूर किए बिना, भले ही ग्राहकों को कुछ राहत मिले, बीमा कंपनियों को मार्जिन पर दबाव का सामना करना पड़ सकता है। बिहार के उपमुख्यमंत्री और बीमा मंत्री समूह के संयोजक सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्यों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद जीएसटी परिषद अंतिम निर्णय लेगी। राज्यों ने बीमा को जीएसटी से छूट दिए जाने पर संभावित राजस्व हानि की ओर इशारा किया है।

ला ट्रोब युनिवर्सिटी और आईएफएफएम ने आमिर खान के साथ सांस्कृतिक और शोध साझेदारियों का जश्न मनाया

मुंबई। ला ट्रोब युनिवर्सिटी और मेलबर्न भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएम) के बीच सबसे लंबी अवधि की साझेदारी के तहत बड़े हर्षोल्लास से भारत का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इसमें ला ट्रोब के चांस्लर माननीय जॉन ब्रम्बी एओ और आईएफएफएम के साथ भारतीय सिने जगत के दिग्गज और मानवीय कार्य के महानायक आमिर खान शामिल हुए।ला ट्रोब की आईएफएफएम के साथ साझेदारी 16 वर्षों से भी अधिक पुरानी है। साझेदारी और नवाचारः आमिर खान के साथ भारतीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के इस अवसर पर शुक्रवार, 15 अगस्त को मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में उद्योग जगत के प्रमुख लोगों, शोधकताओं और सांस्कृतिक पहचान रखने वालों को एकजुट

किया गया। इसका उद्देश्य परस्पर सहयोग से तेजी से सतत विकास की संभावना तलाशना है।इस अवसर पर ला ट्रोब युनिवर्सिटी और आमिर खान के पानी फाउंडेशन के साझा लक्ष्यों की जानकारी दी गई। ये लक्ष्य हैं सस्टेनेबल कृषि, जल संरक्षण और खाद्य सुरक्षा के प्रयास, जिनके माध्यम से समुदायों का सशक्तिकरण करना असान होगा। इस विशिष्ट आयोजन में ला ट्रोब के चांस्लर के साथ विक्टोरिया के पूर्व सैन्य मंत्री, लघु व्यवसाय एवं रोजगार मंत्री तथा युवाओं के मंत्री माननीय नताली सुलेमान सांसद, नागरिकता एवं अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के लिए राष्ट्रमंडल सहायक मंत्री माननीय जूलियन हिल सांसद और संघीय सांसद टिम वाट्स भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर ला ट्रोब युनिवर्सिटी ने खाद्य सुरक्षा और सस्टेनेबलिटी पर अपने सहयोगपूर्ण शोध दशार्ये। इनमें दूध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कृषि-तकनीकी समाधान, पानी की गुणवत्ता पर निगरानी के लिए एडवांस सेंसर और रोबोटिक्स की तकनीक और स्वच्छ गंगा नदी पहल जैसी समुदाय के मार्गदर्शन में संचालित कार्य योजनाएं शामिल थीं। इनके साथ-साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कृषि व्यवसाय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के प्रयास भी शामिल किए गए थे।

एक बीघा जमीन के लिए बड़े बेटे ने की मां की हत्या

अतरौलिया। थाना क्षेत्र के अचलीपुर गांव में मां के हिस्से की एक बीघा जमीन को पाने के लिए बड़े बेटे प्रणव ने अपनी मां विजयकांता पांडेय (55) गड़ासे की हत्या कर दी। घटना के बाद छोटे बेटे प्रवीण ने थाने में बड़े भाई पर मां की हत्या का मुकदमा पंजीकृत कराया है। पुलिस आरोपी बेटे की तलाश में जुट गई है। जानकारी मुताबिक मृतका के पति राम गोपाल पांडेय का निधन करीब 11 वर्ष पूर्व हो चुका था। उनके दो बेटे और एक बेटी हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। पति के मरने के बाद विजयकांता और उनके बड़े बेटे प्रणव और छोटे बेटे प्रवीण के हिस्से एक-एक बीघा जमीन तीनों के हिस्से आई। मां विजयकांता अपने छोटे बेटे प्रवीण के साथ घर में रहती थी। जबकि प्रणव अलग रहता है। प्रणव को डर था कि मां विजयकांता उसके छोटे भाई प्रवीण को अपने हिस्से की जमीन न दे दे। इसे लेकर उसका विवाद बृहस्पतिवार को मां से हो गया। बात इतनी बढ़ी कि बेटे प्रणव ने अपनी मां पर गड़ासे से प्रहार कर दिया। इस घटना में मां विजयकांता की मौके पर ही मौत हो गई। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी बेटा भाग निकला। घायल मां को लेकर छोटा बेटा प्रवीण 100 शैया राजकीय चिकित्सालय अतरौलिया लेकर गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सीएम देवेंद्र फडणवीस से पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने की शिष्टाचार भेंट

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में उन्होंने मुंबई के ताड़देव स्थित 34 मंजिला वेलिंग्डन सोसाइटी के 17 से 34 मंजिल की ओसी न होने के मुद्दे और इसी कारण निवासियों के बेघर होने के डर जैसे गंभीर विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनकी पूर्ण मदद करने का निवेदन किया। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने मुख्यमंत्री फड़वणीस से आग्रह किया कि गणेशोत्सव का त्योहार सामने है, ऐसे समय में महानगरपालिका द्वारा इस इमारत में रह रहे निवासियों को उनके मकान से बेदखल न किया जाए, इसके लिए योग्य कदम उठाएं। उनके आग्रह पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बीएमसी आयुक्त भूषण गगराणी से तत्काल फोन पर बात की और इस संबंध में पॉजिटिव दिशानिर्देश दे दिए, जो कि इस इमारत के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। इसके साथ ही गोरेगांव (पश्चिम) में राम मंदिर स्थित आर.एन.ए. ऐक्जोटिका परियोजना, जो पिछले पंद्रह वर्षों से रुकी हुई है, और जिसमें 300 से अधिक फ्लैट खरीदारों को अभी तक घर नहीं मिले हैं, इस बारे में भी जनसेवक शेट्टी ने मुख्यमंत्री का ध्यानाकर्षित किया। जनसेवक शेट्टी पिछले कई महीनों से इस गंभीर मुद्दे पर भी लगातार काम कर रहे हैं । इस इमारत के फ्लैट धारकों को जल्द से जल्द उनका मकान मिले, इसके लिए विचार-विमर्श और पूरी योजना उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष स्पष्ट की। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह भी बताया कि गोरेगांव-पश्चिम (राम मंदिर) में आरएनए एग्जॉटिका परियोजना के रुके हुए काम को शुरू करने के लिए भूमिपूजन समारोह गणेशोत्सव तक किया जाएगा और काम को तुरंत शुरू करवाया जाएगा।

विशेष अभियानों के तहत 5 वर्षों में हुई 1.59 करोड़ भारतीयों की स्वदेश वापसी

नई दिल्ली । भारत सरकार की ओर से वंदे भारत मिशन जैसे विशेष अभियानों के तहत पिछले पांच वर्षों में लगभग 1.59 करोड़ लोगों का प्रत्यावर्तन सुनिश्चित किया गया है, जिनमें भारतीय नागरिक, ओसीआई कार्डधारक और कुछ विदेशी नागरिक शामिल हैं। केंद्र सरकार के लिए विदेशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा एक सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की खतरे या संघर्ष वाली स्थिति में सरकार अपने नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न उपायों को अपनाती है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने 21 अगस्त को राज्यसभा में यह जानकारी दी। दरअसल संसद सत्र के दौरान कांग्रेस सांसद विवेक के. तन्खा ने विदेश मंत्रालय से पिछले पांच वर्षों के दौरान विदेश में प्रवास करने वाले और बाद में वापस लौटे भारतीयों का वर्षवार रिकॉर्ड मांगा

था। उन्होंने वंदे भारत जैसे अभियानों के तहत प्रत्यावर्तन के पैमाने पर भी आंकड़े मांगे थे, जिसका उत्तर देते हुए, राज्य मंत्री सिंह ने स्पष्ट किया कि सरकार व्यापक प्रवासन रिकॉर्ड नहीं रखती है, क्योंकि यात्री अक्सर विदेश में अपने प्रवास या रोजगार का विवरण नहीं बताते हैं। हालांकि, उन्होंने बताया कि ई-माइग्रेट पोर्टल के माध्यम से 18 अधिसूचित देशों की यात्रा करने वाले उत्प्रवास जांच आवश्यक (ईसीआर) पासपोर्ट रखने वाले भारतीय कामगारों का डेटा उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इस श्रेणी के अंतर्गत प्रवासन 2020 में 94,145 था, जो 2021 में बढ़कर 1,32,675 हो गया और 2022 में 3,73,426 और 2023 में 3,98,317 हो गया। 2024 में यह घटकर 3,87,067 रह गया जबकि जुलाई 2025 तक प्रवासन 2,56,186 दर्ज किया गया गया है। मंत्री ने आगे बताया कि वंदे भारत मिशन जैसे विशेष अभियानों के तहत प्रत्यावर्तन में लगभग 1.597 करोड़ लोग शामिल हैं, जिनमें भारतीय नागरिक, ओसीआई कार्डधारक और कुछ विदेशी नागरिक शामिल हैं।

वन8 कम्यून ने की अपने नए विजेताओं की घोषणा

मुंबई। भारत के सबसे मनपसंद पुरुषों की खोज एक शानदार समारोह में प्रकाश में आई जब मिस्टर इंडिया 2025 सीजन 2 ने विव्ज फैशन स्कूल के सहयोग से वन8 कम्यून, लोअर परेल, मुंबई में अपने नए विजेताओं की घोषणा की। इस धमाकेदार शाम ने भारत के सौंदर्य और फैशन कैलेंडर में एक निर्णायक क्षण को चिह्नित किया, जिसमें तीन असाधारण खिताब विजेताओं का अनावरण किया गया जो वैश्विक और राष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम गौरव से ऊँचा करेंगे।

राष्ट्रीय मंचः आत्मविश्वास, करिश्मा और क्षमता का एक सम्मोहक प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता ने घोषणा की। शेवम सिंह मिस्टर इंडिया वर्ल्ड 2025 - जो अगले मिस्टर वर्ल्ड में भारत

का प्रतिनिधित्व करेंगे। एबेल बिजू मिस्टर इंडिया सुपरनेशनल 2026 के रूप में, जो पोलैंड में आयोजित होने वाले मिस्टर सुपरनेशनल 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। शिव चोर्डिया मिस्टर इंडिया राइजिंग स्टार 2025 - एक नया खिताब जो उस प्रतिभा को सम्मानित करता है जो न केवल रनवे और बड़े पर्दे पर विजय प्राप्त करता है बल्कि शैक्षणिक उत्कृष्टता, नेतृत्व और सामाजिक उद्देश्य का भी प्रतीक है। बहुमुखी प्रतिभाओं की खोज के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप मिस्टर इंडिया ने कैरियर विकास, व्यक्तित्व विकास और अंतर्राष्ट्रीय अवसरों को निरंतर गति प्रदान की है। लाखों सपनों को उड़ान देने वाला यह कार्यक्रम उन पुरुषों के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में कार्य करता है, जिन्होंने वैश्विक मंचों पर अपनी धाक जमाई है, भारत का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व किया है, लाखों लोगों को प्रेरित किया है और फैशन एवं मनोरंजन जगत में शानदार कैरियर बनाया है। इस वर्ष, मिस्टर वर्ल्ड 2016 रोहित खंडेलवाल के आधिकारिक मेंटर के रूप में शामिल होने से यह मानक और भी ऊँचा हो गया, जिन्होंने फाइनलिस्टों को आत्मविश्वास, बुद्धिमत्ता, प्रतिभा और ईमानदारी को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

दुनिया का सबसे बड़ा ट्रैवलिंग फिल्म फेस्टिवल लौट रहा है अपने 13वें संस्करण के साथ

मुंबई। दुनिया का सबसे बड़ा ट्रैवलिंग फिल्म फेस्टिवल कहलाने वाला जागरण फिल्म फेस्टिवल अपने 13वें संस्करण के साथ लौट आया है। गुड सिनेमा फॉर एव्री वन की अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए, यह फेस्टिवल इस बार भी रजनीगंधा द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। यह महोत्सव 4 सितंबर को दिल्ली से शुरूआत करेगा, 14 शहरों की यात्रा करेगा और 16 नवंबर को मुंबई में भव्य समापन के साथ भारत का सबसे बड़ा और व्यापक सिनेमाई उत्सव बनेगा। अपनी शुरूआत से ही जागरण फिल्म फेस्टिवल कहानी कहने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और बेहतरीन सिनेमा का एक अहम मंच रहा है। इस साल फेस्टिवल कई दिग्गज हस्तियों को खास अंदाज में श्रद्धांजलि देगा, जिनमें गुरु दत्त की जन्मशताब्दी, शबाना आजमी के सिनेमा में 50 साल और आइकॉनिक फिल्म शोले के 50 साल पूरे होने पर आयोजित विशेष समारोह शामिल हैं। इसके साथ ही श्याम बेनेगल, मनोज कुमार, शाजी एन. करुण और प्रीतीश नंदी जैसे इंडस्ट्री के दिग्गजों को भारतीय सिनेमा में उनके अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस साल के जागरण फिल्म फेस्टिवल में सिनेमा इंडस्ट्री के बेहतरीन नामों के साथ रोचक संवाद भी शामिल होंगे। मेंटर्स के रूप में सुभाष घई, खुशबू सुंदर, आदिल हुसैन और ए. श्रीकर प्रसाद फेस्टिवल का मार्गदर्शन करेंगे, जबकि क्यूरेशन की ज़िम्मेदारी श्रीनिवास संथानम, अनुपमा बोस और प्रेमेंद्र मजूमदार के पास होगी। चचाओं में शबाना आजमी, शिल्पा शेट्टी, आर. बाल्की, जयदीप अहलावत, श्रुति महाजन, अमित साध, विनीत कुमार सिंह और कई अन्य चर्चित नाम शामिल होंगे।

24 अगस्त को पटना के रविंद्र भवन में स्टार्टअप सम्मिट-2025 का आयोजन

पटना(उत्तरशक्ति)। स्टार्ट अप समिट 2025 बिहार के उज्ज्वलतम भविष्य निर्माण हेतु संकल्पित लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के अंतर्गत बिहार में उद्यमिता की व्यापक क्रांति लाने का लक्ष्य है जिससे बिहार में ही रोजगार का अधिकाधिक सृजन हो सके। 24 अगस्त, 2025 को पटना के रविन्द्र भवन में अभियान के अंतर्गत 10 बजे पूर्वाह्न से 'स्टार्ट-अप समिट 2025' निर्धारित है जिसके उद्घाटनकर्ता सह मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति हेतु उप-मुख्यमंत्री, बिहार, सम्राट चौधरी ने स्वीकृति दी है। शिक्षा, समता एवं उद्यमिता के तीन मंत्रों के साथ 2047 तक विकसित भारत में विकसित बिहार के निर्माण हेतु आवश्यक 'उद्यमिता की क्रांति' के निमित्त गतिमान अभियान के साथ वर्तमान में 2,50,000 से अधिक संकल्पित व्यक्ति व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से सीधे रूप से जुड़कर योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं, जिनमें 15,000 से अधिक उद्यमी तथा कॉर्पोरेट सेक्टर के वरिष्ठ दायित्वों में हैं। 350 से अधिक स्टार्ट-अप्स सीधे रूप से अभियान के साथ जुड़कर आगे बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि बिहार के हर जिले में 2028 तक कम से कम 5 ऐसे सफल स्टार्ट-अप्स हो जाएं जिनमें से प्रत्येक में 100 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार मिलता हो। इस स्टार्ट-अप समिट में बिहार के ऐसे 21 स्टार्ट-अप्स, जिनमें 100 से अधिक व्यक्तियों को रोजगार मिल रहा हो अथवा जिनकी भविष्यात्मक संभावनाएं अत्यंत प्रबल हो, को 'बिहार उद्यमिता सम्मान' दिया जाना प्रस्तावित है। इस अवसर पर ड्राफ्ट बिहार विजन 2047 डाक्यूमेंट भी रिलीज किया जाएगा ताकि सभी से प्राप्त सुझावों के साथ 21 दिसंबर, 2025 को बेंगलूरू में निर्धारित बिहार 2047 विजन कॉन्क्लेव में इसे बिहार को समर्पित किया जा सके। इस कार्यक्रम में विकास वैभव, मुख्य संरक्षक, सर्वेश कुमार, एमएलसी, विशिष्ट अतिथि, सैयद शमाएल अहमद, राष्ट्रीय अध्यक्ष, पीएसएसीडब्लूए, विपुल कुमार, इंटरकनेक्शन और नेटवर्क इकोसिस्टम विशेषज्ञ, डेटासेंटर, निरेन आनंद, सोशल फुटवियर उद्यमी, एवर ट्रेड ग्रुप, चीन, हांगकांग और भारत, ओ पी सिंह, सीईओ, बर्नेट फार्मास्युटिकल्स, अहमदाबाद, डॉ. प्रीति बाला, मुख्य समन्वयक, गार्गी चैप्टर, सोनम मिश्रा, उपाध्यक्ष, सुलभ इंटरनेशनल, दिल्ली, आलोक कुमार रंजन, निदेशक, शिक्षा समता उद्यमिता फाउंडेशन, अनिल कुमार झा सीईओ और सह-संस्थापक फैब फाइव नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड और इस बार बिहार के और दिल्ली स्थित एक एंजेल निवेशक अमित कुमार ने घोषणा की है कि वे उन 21 स्टार्ट-अप्स को 21 लाख रुपये का फंड देंगे जिनके पास शानदार आइडिया हैं और जो स्टार्ट-अप चला रहे हैं। इन स्टार्ट-अप्स को फंड मिलेगा जो इन मानदंडों को पूरा करते हैं। सभी स्टार्ट-अप्स को साथ जोड़कर व्यापक इकोसिस्टम का निर्माण करने के उद्देश्य को लेकर अनेक स्टार्टअप सम्मेलनों तथा वाइब्रेंट बिहार ग्लोबल कॉन्क्लेव का आयोजन पटना में वर्ष 2022 तथा 2023 में किया गया ।

अधिवक्ता के ड्रेस में कोर्ट पहुंचकर हत्या के आरोपी ने किया सरेंडर

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मऊआइमा में सराफा कारोबारी अमन कुमार सोनी की हत्या के मुख्य आरोपी प्रेम पटेल ने शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। क्राइम ब्रांच की तीन टीमों और स्थानीय पुलिस की एक टीम को चकमा देकर आरोपी अधिवक्ता की ड्रेस में कोर्ट में हाजिर हो गया। पुलिस की टीमें हाथ मलती रह गईं। अदालत ने न्यायिक हिरासत में उसे जेल भेज दिया। घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था। पुलिस की कई टीमें उसकी खोजबीन में लगी थीं। मऊआइमा में 17 अगस्त को दिनदहाड़े सराफा कारोबारी को चाकू से गला काट कर हत्या कर दी गई थी। शव को एक नहर में फेंक दिया गया था।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मानी उमरपुर रमना (कोहरान) परवलपुर निवासी अमन कुमार सोनी (20) वर्ष पुत्र अजय कुमार सोनी ग्राम बाराडीह में सराफा की दुकान किया था। रविवार को दिन में करीब ग्यारह बजे के करीब वह बाइक से दुकान जा रहा था। बताया गया है कि अमन कुमार सोनी जैसे कलुआपुर और हरखपुर स्थित नहर पुलिया के पास पहुंचा पहले से घात लगाकर बैठे तीन युवकों ने चाकुओं से गला काट कर हत्या कर शव नहर में फेंक दिए। राहगीर घटनास्थल की ओर दौड़े लेकिन तब तक आरोपी भाग गए। एक आरोपी शुभम पटेल पुत्र राम सेवक को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया था। मृतक के पिता अजय कुमार सोनी पुत्र स्वर्गीय मेवा लाल ने मऊआइमा थाने में गिरफ्तार हत्यारोपी शुभम कुमार पटेल पुत्र राम सेवक पटेल तथा प्रेम कुमार पटेल पुत्र राम खेलावन, देवेंद्र कुमार पटेल पुत्र लालता प्रसाद पटेल निवासीगण ग्राम बराडीह थाना मऊआइमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

रिमझिम फुहारों के बीच मौनिया बाबा महावीरी राजकीय मेले का हुआ उद्घाटन

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में लगने वाले राष्ट्रीय एकता के प्रतीक उत्तर बिहार का सबसे बड़ा संत शिरोमणि मौनिया बाबा राजकीय महावीरी झंडा मेले का रिमझिम फुहारों के बीच मौनिया बाबा समाधि स्थल पर फीता काट कर शुक्रवार को उद्घाटन हुआ। स्वर्णिम वर्ष में पहले राजकीय मेले का उद्घाटन सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, विधायक विजय शंकर दुबे, विधान पार्षद विनोद जायसवाल, पूर्व विधायक हेम नारायण साह, नगर पंचायत मुख्य पार्षद शारदा देवी, उपाध्यक्ष गुड़िया कुमारी, पूर्व विधायक दामोदर सिंह की पुत्रवधू गुड़िया कुमारी, एसडीओ अनिता सिंहा, एसडीपीओ अमन कुमार, प्रो डॉ. अभय कुमार सिंह, प्रो सुबोध कुमार सिंह, सचिव ई अशोक कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष बृज किशोर जायसवाल, नागमणि सिंह, मोहन कुमार पदमाकर व हरिशंकर आशीष ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। शुरूआत मौनिया बाबा समाधि स्थल से हुई। जहां आचार्यो के वैदिक मंत्रोचार के बीच विधिवत पूजा अर्चना के बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। दीपक की पहली लौ जलते ही मेला क्षेत्र मौनिया बाबा व बजरंगबली के जयकारे से गूंज उठा। जिसके बाद मुख्य मेला नियंत्रण कक्ष राजेन्द्र चौक, शहीद स्मारक चौक व नखास चौक पर बने मेला नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि मौनिया बाबा मेला आपसी सद्भावना व भाईचारे का प्रतीक है। अब यह राजकीय मेला है। इसलिए हम सबका फर्ज है कि मेले में शांति बनाएं रखने में सहयोग करें। विधायक ने कहा कि राजकीय मेले के अनुरूप व्यवस्था होनी चाहिए। अगले साल से इसमें प्रगति होनी चाहिए। वही पूर्व जदयू विधायक हेमनारायण साह ने मेला दर्शकों से शांति पूर्ण माहौल में संपन्न कराने की अपील की। एसडीओ व एसडीपीओ ने कहा कि ऐतिहासिक मौनिया बाबा महावीरी झंडा मेला के शांतिपूर्ण सफल संचालन को ले अनुमंडल प्रशासन तत्पर है। शहर के चप्पे चप्पे में पुलिस बल तैनात किया गया है। शहर से लेकर मेला स्थल तक

सीसीटीवी कैमरा लगा है। कंट्रोल रूम से 24 घंटे इसपर नजर रखी जा रही है। सादे लिबास में भी पुलिस बल तैनात किया गया है। एसडीओ ने कहां कि मेले में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है। पर्याप्त बल तैनात किया गया है। भाजपा पूर्वी जिला अध्यक्ष रंजीत प्रसाद, भाजपा नेता सत्यम दुबे, भाजपा नेत्री सुप्रिया कुमारी, जिला प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, विशाल जायसवाल, डॉ त्रिपुरारी शरण अजय कुमार, कुंदन सिंह राहुल सिंह, जदयू नेत्री गुड़िया कुमारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष चंदन कुमार, पतीराम सिंह जयप्रकाश सिंह भोला सिंह, मृत्युंजय कुमार शाही, शैलू यादव, डॉ संतोष कुमार सहित सैकड़ों लोग थे।

झांकियों को देखने उमड़े लोग

मौनिया बाबा महावीरी झंडा मेला के उद्घाटन के साथ ही झांकियों के पट खुल गए। शहर के हर हिस्से में अलग अलग समितियों द्वारा एक से बढ़कर एक दर्जनों जीवंत झांकी प्रस्तुत की गई थी। जिसे देखने दर्शकों का हुजूम उमड़ पड़ा। पूरा शहर पर्यटकों से पट गया। आधी रात से महावीरी अखाड़ों का निकलना शुरू हुआ। जिसकी शुरूआत नागा बाबा मठ से हुई। जिसके बाद प्रधान अखाड़ा, आजाद अखाड़ा, कपियां अखाड़ा, पसनौली अखाड़ा व नवलपुर अखाड़ा निकाला गया। इस दौरान पूरा शहर जय हो जय हो के जयघोष से गूंज उठा। परंपरागत हस्तियारों से लैस अखाड़े में शामिल लोगों ने अपने हैरत अंगेज करतब से दर्शकों का मनमोह लिया। अखाड़े में भंगीठी का जबरस्त मुजायरा देखने को मिला। 1923 से लगता है मेला। मौनिया बाबा महावीरी झंडा मेला की शुरूआत 1923 में हुई। मौनिया बाबा सिद्ध संत थे। जिनकी समाधि स्थल पर यह मेला लगता है। इस दौरान धर्म व जाति के बंधन से ऊपर उठकर लाखों श्रद्धालु समाधि स्थल पर पूजा अर्चना करते हैं। यहां के बारे में मान्यता है कि जो भी सच्चे मन मन्नत मांगता है, उसकी मन्नत अवश्य पूरी होती है। पुजारी के अनुसार श्रद्धालु प्रसाद के रूप से यहां से भभूत ले जाते हैं।

श्री मौनिया बाबा महावीरी झंडा मेला को ले शनिवार को ग्रामीण क्षेत्रों से महावीरी अखाड़ा निकाला जाएगा। जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों के गांव बंगरा, पसनौली, नवलपुर, कपियां, रामापाली, अभुई, कोथुआ सारंगपुर, फतेहपुर, वैदापुर विशुनपुरा, सवान विग्रह, पकवलिया, बेलागोबिंदापुर, रुकुन्दीपुर, धनछुहा व उजाय सहित 17 अखाड़े शामिल किए जाएंगे।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी :

मौनिया बाबा राजकीय महावीरी झंडा मेला को ले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था भी ऐसी की परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। हर चौक चौराहे पर मजिस्ट्रेट के रूप में पुलिस बल तैनात हैं। पूरा मेला क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। मेले की निगरानी सीसीटीवी व ड्रोन कैमरा से हो रहा है। अखाड़े की वीडियो ग्राफी कराई जाएगी। हर अखाड़े के साथ मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में एस्कॉर्ट पार्टी चलेगी। पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। जिसकी 24 घंटे निगरानी कंट्रोल रूम से हो रही है। जिससे मेला क्षेत्र में किसी भी उपद्रवी या असामाजिक तत्व को देखते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सादे लिबास में पुलिस के साथ भारी संख्या में पुलिस बल रहेंगे। शहर से लेकर मेला स्थल तक पुलिस के जासूस भी काम कर रहे हैं। जिसकी खबर तुरंत कंट्रोल रूम पर पहुंचाई जाएगी इसके बाद गिरफ्तारी होगी।

बिहार के शिवान जिला अन्तर्गत महाराजगंज में वकील प्रसाद मौनिया बाबा मेला स्थल पर फीता काटकर उद्घाटन करते सांसद, विधायक व अधिकारी तथा अन्य सम्मानित लोग। छायाचित्र : उत्तरशक्ति

बीमारी से परेशान युवक ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर देदी जान

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के रामनगर भड़सरा में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक ने मालगाड़ी के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान सोनू कश्यप (35) पुत्र सुक्खू कश्यप निवासी रामनगर भड़सरा, थाना जफराबाद के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर लगभग 11 बजे वाराणसी-सुल्तानपुर रेलवे ट्रैक पर गुजर रही मालगाड़ी के सामने कूदकर सोनू ने आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही लाइन बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। लगभग दो घंटे बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का कहना है कि सोनू कश्यप लंबे समय से बीमारी से जूझ रहा था, जिससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डॉ. आर ए तिवारी फाउंडेशन द्वारा विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर सात विभूतियों का सम्मान

मुंबई। डॉ. आर. ए. तिवारी फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर 21 अगस्त को दहिसर पूर्व के भारतीय सद्विचार मंच समाज कल्याण केंद्र सभागृह में आयोजित एक भव्य समारोह में 75 वर्ष से अधिक उम्र के सात विभूतियों का सम्मान किया गया। सम्मानित किए गए लोगों में राहुल एजुकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन शिक्षा सम्राट लल्लन तिवारी, पूर्व प्रधानाचार्य पीएन द्विवेदी, समाजसेवी तथा धर्मनिष्ट करुणाशंकर ओझा, सुप्रसिद्ध टेक्नोक्रेट दिनेशचंद्र उपाध्याय, वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट सत्यव्रत उपाध्याय, रिटायर्ड आईटीएस अमरनाथ पांडे तथा राघवेंद्र सेवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आचार्य पंडित रमाशंकर शुक्ल का समावेश रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ आर ए तिवारी फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. राधेश्याम तिवारी ने की। संस्था के ट्रस्टी तथा मंत्री डॉ. शिवश्याम तिवारी ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शिक्षाविद् डॉ.हृदयनारायण मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार अभय मिश्रा , अग्निशिला के संपादक,आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली ,वरिष्ठ समाजसेवी श्रीकांत पांडे ,वरिष्ठ समाजसेवी इंद्रमणि दुबे तथा मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह सम्मानित अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समन्वय संकल्प के अध्यक्ष अनिरुद्ध पांडे तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। संस्था के ट्रस्टी तथा कोषाध्यक्ष डॉ संदीप तिवारी और ट्रस्टी मानवेंद्र तिवारी ने सभी अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह, डॉ.इंदुप्रकाश तिवारी श्रीगौरीशंकर ग्राम सेवा मंडल के महामंत्री सुभाषचंद्र उपाध्याय, उद्योगपति ब्रह्मदेव सिंह, समाजसेवी प्रेमचंद तिवारी (बाबा), समाजसेवी सूर्यकांत उपाध्याय ,वरिष्ठ पत्रकार सुरेश मिश्रा, सूर्यप्रकाश (संतोष) मिश्रा,वरिष्ठ कवि हृदयेश मयंक, मानव धर्माचरण समिति के अध्यक्ष श्रीनिवासानंद महाराज (पूर्व में विद्रोही महाराज), रविंद्रनाथ दुबे, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, परशुराम सेना के राष्ट्रीय संरक्षक अरविंद उपाध्याय, समाजसेवी विद्याशंक चतुर्वेदी,राघवेंद्र सेवा मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा, समाजसेवी , डॉ. अमरीश दुबे, उद्योगपति नलिन भाई उपाध्यक्ष ,हिंदी दैनिक प्रातः काल के संपादक अरुण उपाध्याय, प्रवासी संदेश के संपादक राजेश उपाध्याय, ?ड.एस.एस.शुक्ला,भारतीय सदविचार मंच के पदाधिकारी पं कमलाशंकर मिश्रा, बैजनाथ मिश्रा, महेंद्रकुमार मिश्रा,मनोज चतुर्वेदी, नागेंद्र मिश्रा, गणेशप्रसाद पाण्डेय, राजीव मिश्रा, रत्नेश दुबे, रामप्रकाश तिवारी, बी.पी.मिश्रा, रात्नेश दुबे ,कमलाकांत त्रिपाठी आदि का समावेश रहा।

आनंदनगर में जलभराव व बिजली संकट का समाधान करने हेतु विधायक स्नेहाताई दुबे पंडित का दौरा

वसई रोड। आनंदनगर क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रहे जलभराव और महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडल (MSCB) के डीपी बॉक्स के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण स्थानीय नागरिकों को गंभीर बिजली व पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए आज माननीय विधायक स्नेहाताई दुबे पंडित के सुझाव पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान मनपा अधिकारियों और विद्युत विभाग (MSCB) के कर्मचारियों की उपस्थिति में समस्या के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए और कार्यवाही शुरू की गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल की उपाध्यक्ष स्मिता शेट्टीगर, उमेश मोर्य, मनोज चोटालिया, राजेश चोटालिया, राजकुमार दुबे सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी तथा स्थानीय नागरिक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने विधायक और उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई।

आयुक्त ने श्री गणेश उत्सव के अवसर पर विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त ने गणेशोत्सव 2025 के अवसर पर विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया। श्री गणेशोत्सव 2025 के अवसर पर, मीरा-भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (बी.पी.एस.) ने आज, गुरुवार, 21 अगस्त 2025 को शहर के विभिन्न प्रमुख विसर्जन स्थलों का दौरा किया और वहां की तैयारियों का प्रत्यक्ष जायजा लिया। काशीमीरा जरिमारी झील, सत्कारी झील मीरा रोड, सईदत्त झील पेनकरपाड़ा, शिवार गार्डन झील, नवघर झील भायंदर पूर्व, जैसल पार्क चौपाटी और भायंदर पश्चिम चौपाटी का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान, माननीय आयुक्त ने विसर्जन अवधि के दौरान नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। सुरक्षा के लिए की गई तैयारियों, साफ-सफाई, बिजली आपूर्ति और प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, पुलिस और

सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे, शहर अभियंता दीपक खाम्बित, कार्यकारी अभियंता नितिन मुकने सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और मनपा के कर्मचारी उपस्थित थे।

कृत्रिम झीलों के साथ-साथ मूर्ति स्वीकृति केंद्र की स्थापना की जाएगी। कृत्रिम झीलों या तालाब में 6 फीट से कम ऊँचाई की मूर्तियाँ स्थापित करना भी अनिवार्य है। पूजा सामग्री को अलग से एकत्र किया जाना चाहिए और उन्हें पानी में फेंकने के बजाय नगर निगम का सहयोग करना चाहिए। प्लास्टिक को समुद्र, खाड़ियों और झीलों में नहीं फेंकना चाहिए। साथ ही, विसर्जन के दौरान, प्रशासन और पुलिस के मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए और अनुशासन का पालन करना चाहिए, माननीय आयुक्त ने अपील की। श्री गणेशोत्सव एक ऐसा त्योहार है जो सामाजिक एकता और पर्यावरण मित्रता का संदेश देता है। इसलिए, मीरा-भायंदर महानगरपालिका प्रशासन नागरिकों से स्वच्छता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देकर इस त्योहार को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की अपील कर रहा है।

गुमशुदा विकास पांडेय का शव बाग भवानी असनहरा घाट के पास से बरामद

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिला अन्तर्गत उतरौला के एक युवक की रहस्यमय परिस्थितियों में गुमशुदा हो जाने का मामला प्रकाश में आया था । विकास पांडेय नाम का युवक बलरामपुर से गौरा चौराहा होते हुए अपने गांव पिपरा एकडंगा जा रहा था। गुमशुदा विकास पांडेय के भाई विनीत पाण्डे ने बताया कि उतरौला कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पिपरा एकडंगा निवासी विकास पांडेय पुत्र वासुदेव पांडे बीते दिन बुधवार को देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। वह बलरामपुर से गौरा चौराहा मार्ग होते हुए अपने गांव वापस लौट रहे थे। इसी दौरान राप्ती नदी स्थित पिपरा घाट पुल पर रुक कर विकास ने कटरा निवासी अपने दोस्त ज्ञानचंद को फोन कर जानकारी दी कि कुछ लोग उन्हें रोककर धमका रहे हैं। और कह रहे हैं कि पैसा दो वरना नदी में फेंक देंगे। विकास ने फोन पर अपने मित्र से जल्दी आने की गुहार भी लगाई। दोस्त ने तत्काल यह सूचना उनके परिजनों को दी। और ज्ञानचंद विकास परिवारजन व अन्य लोग मौके पर पहुंचे तब तक विकास पांडेय वहां से लापता हो चुके थे थे जबकि पुल पर उनकी बाइक खड़ी मिली उक्त प्रकरण की सूचना मिलते ही थाना गौरा चौराहा की पुलिस मौके पर पहुंची तो वहीं कोतवाली उतरौला के प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह व क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेंद्र सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे। सीओ राघवेंद्र सिंह ने मामले को संज्ञान में लेकर विकास की तलाश शुरू करा दी तथा पीएसी व बाढ़ आपदा राहत दल तथा स्थानीय गोताखोरों को लगाया गया था लेकिन लापता युवक का कोई सुराग नही लग सका था फिर भी पुलिस टीम अपनी हार नही मानी लापता युवक का तलाश अगले दिन भी जारी रहा । घटनास्थल थाना गौरा चौराहा के अंतर्गत माना जाता है जबकि विकास पांडे की तलाश जारी है। गुरुवार शाम तक विकास पांडेय का कुछ पता नहीं चल सका था पुलिस प्रशासन के सक्रियता के चलते अन्त में विकास पांडे की लाश थाना क्षेत्र गैण्डास बुजुर्ग के अन्तर्गत बाग भवानी असनहरा घाट के पास से शव पानी में बरामद हुआ है घटना के संबंध में प्रभारी निरीक्षक अनिल सिंह थाना गौरा चौराहा ने बताया कि शव बरामद हो गया है पहचान परिजनों द्वारा किया गया है जिसका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है एवं अन्य पहलुओं पर जांच पड़ताल जारी है सीघ्र ही मामले की खुलासा की जाएगी ।

पिड़रा पुल घोटाला उजागर: एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया का बड़ा आरोप

रुद्रपुर/एकौना। गोर्रा नदी पर बना पिड़रा पुल एक बार फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। बरसात शुरू होते ही पुल का एप्रोच धंसने लगा और उस पर दरारें पड़ गईं। नतीजतन बड़े वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। इससे व्यापार ठप हो गया है और स्कूली बच्चों को रोजाना 4झ5 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। दोआबा क्षेत्र के 52 गांवों की जनता गुस्से में है। संस्था के राष्ट्रीय कार्रवाई अध्यक्ष श्याम नारायण गुप्ता ने कहा हर साल मरम्मत के नाम पर करोड़ों का टेंडर पास होता है, लेकिन भ्रष्ट अधिकारी और ठेकेदार केवल खानापूर्ति करके पैसे हड़प लेते हैं। मिट्टी की बोरियां डालकर झूठी रिपोर्ट बना दी जाती है। यदि किसी दिन इस पुल पर बड़ा हादसा हुआ, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? गुप्ता ने यह भी बताया कि ठेकेदार खुलेआम कहते हैं, हमारे मंत्री विधायक भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते। यह स्थिति केवल प्रशासन की नाकामी है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम सनातनी धर्म का है पहचान : सांसद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में मौनिया बाबा मेला राजकीय होने पर सरकारी स्तर पर शाहिद फुलेना स्मारक के प्रांगण में संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल ने कहा कि सांस्कृतिक का सनातन धर्म की पहचान है । कार्यक्रम मनोरंजन का मुख्य साधन है। मुझे खुशी हो रही है कि मैनिया बाबा मेला में पूर्व और वर्तमान सभी प्रतिनिधि अतिथि भी पधारे हुए हैं। इस शुभ अवसर के हम सभी मुख्य साक्षी हैं। वे शुक्रवार को शाहिद फुलेना स्मारक में सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन कर रहे बहुत खुशी हो रही है । उन्होंने कहा कि आप सभी जनता जनार्दन के द्वारा ही मेला का विकास भव्य तरीके से हो पाया है।

एडीएम ने जुलूस पूर्व मौनिया बाबा मेला तैयारी का निरीक्षण

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में उत्तर बिहार के प्रसिद्ध मौनिया बाबा मेला को राजकीय होने पर इस वर्ष सरकारी स्तर पर शहिद फुलेना स्मारक में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन के लिए जुलूस के पूर्व तैयारी का निरीक्षण सीवान के एडीएम प्रमोद कुमार राम ने की। एडीएम ने बताया मेला पर नियंत्रण के लिए राजेंद्र चौक, शाहिद फुलेना स्मारक चौक, नखास चौक, मैनिया बाबा स्थल, इत्यादि पर नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। जहां से प्रशासनिक कम्युनिकेशन 23 अगस्त तक बना रहेगा। मेला में असामाजिक तत्वों पर तीसरी नजर सीसीटीवी कैमरे द्वारा रखी जाएगी। मेला में चप्पा चप्पा पर महिला व पुरुष बल तैनात रहेंगे। अलावा इसके अश्वरोही बल रहेगा।

गोदरेज ने नए प्रोडक्ट के साथ कमर्शियल सेगमेंट के लिए अपने एसी पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई। गोदरेज एंड बॉयस के अप्लायंसेस बिजनेस, जो गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का हिस्सा है, ने बड़े आवासीय और कमर्शियल स्थानों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने एसी पोर्टफोलियो का विस्तार किया है, जिसमें खास ध्यान लाइट कॉमर्शियल एसी पर दिया गया है। इसके नए कॉमर्शियल पोर्टफोलियो में 2 टन और 3 टन कैपेसिटी वाले वन-वे कैसेट और फोर-वे कैसेट एसी, 2 टन से 4 टन क्षमता वाले टॉवर एसी और 2.5 टन व 3 टन क्षमता वाले टर्बो कूल स्प्लिट एसी शामिल हैं। खास बात यह है कि 3 टन टर्बो कूल स्प्लिट एसी में इंडस्ट्री का सबसे चौड़ा इनडोर यूनिट है, जो अधिक वाइड एयर थ्रो और शक्तिशाली कूलिंग प्रदान करता है। ब्रांड का पूरा कमर्शियल एसी पोर्टफोलियो एआई-पावर्ड है और एंबिएंट हीट सेंसिंग और यूजर प्रॉक्सिमिटी के आधार पर यह इंटेलिजेंट व स्मार्ट कूलिंग देता है. इससे एनर्जी का इस्तेमाल ऑप्टिमाइज होता है और कूलिंग परफॉर्मेंस बेहतर होती है. इसमें स्मार्ट क्ङ्मळ फीचर है, जिससे ऐप के माध्यम से कहीं से भी एसी को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही, 4-वे स्विंग समान हवा वितरण सुनिश्चित करता है। इन्वर्टर और 5-इन-1 कन्वर्टिबल टेक्नोलॉजी लचीले उपयोग और ऊर्जा बचत में मदद करती है। ये एसी 52त्व तक की भीषण गर्मी में भी न्यूनतम डीरैटिंग के साथ शक्तिशाली कूलिंग प्रदान करते हैं। इनमें इको-फ्रेंडली फ32 रेफ्रिजरेंट का उपयोग किया गया है और 5 साल की कंप्रेसर वारंटी मिलती है।

कमर्शियल एसी रेंज पर बात करते हुए, कमल नंदी, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के अप्लायंसेस बिजनेस के बिजनेस हेड और ईवीपी, ने कहा, बढ़ते तापमान की वजह से कमर्शियल जगहों में भी एसी जरूरी हो गए हैं. हमारा नया लाइट कमर्शियल एसी पोर्टफोलियो, नए कूलिंग फॉर्मेट, कैपेसिटी और अक पावर्ड टेक्नोलॉजी के साथ हमारे ग्राहकों को ज्यादा फायदे देता है. हमारे डोमेस्टिक एसी के बड़े पोर्टफोलियो, ब्रांड बनाने के प्रयासों, नेटवर्क के विस्तार, खास तौर पर तैयार किए गए फेस्टिव ऑफर और उम्मीद के मुताबिक कम त्रह्लळ दरों के साथ, हम पिछले साल के मुकाबले इस त्योहारी सीजन में अपनी कुल एसी सेल में 40% से ज्यादा की ग्रोथ का लक्ष्य रख रहे हैं. इस पर बात करते हुए, सब्यसाची गुप्ता, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के अप्लायंसेस बिजनेस के प्रोडक्ट ग्रुप हेड - एयर कंडीशनर, ने कहा, ’इंडस्ट्री में कमर्शियल एसी 14-15% की दर से बढ़ रहे हैं. हमारे नए लाइट कॉमर्शियल एसी बड़ी क्षमता और एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ बड़े स्थानों की जरूरतों को पूरा करते हैं। डोमेस्टिक और लाइट कमर्शियल एसी के बीच की लाइन भी लगातार धुंधली होती जा रही है, क्योंकि प्रीमियम ग्राहक अपने घरों में भी ऑफिस की जगहों के अलावा कैसेट और टॉवर एसी की ओर आकर्षित हो रहे हैं. इसी तरह, बड़ी कूलिंग कैपेसिटी को भी प्रीमियम ग्राहकों के बीच ज्यादा अपनाया जा रहा है और ये लिविंग रूम या कमर्शियल जगहों, दोनों के लिए बेहतर हैं. जो लोग स्प्लिट एसी फॉर्मेट पसंद करते हैं,

नालासोपारा पश्चिम में अवैध भराव से जलभराव की समस्या, नगर निगम की तत्परता से राहत

नालासोपारा। श्रीप्रस्थ कॉम्प्लेक्स, नालासोपारा पश्चिम के चौथे रोड से सटे नाले में अनाधिकृत रूप से किए गए भराव पर सड़क बना दी गई थी, जिसके कारण क्षेत्र में जल निकासी बाधित हो गई। इसका असर विशेष रूप से श्रीप्रस्थ कॉम्प्लेक्स, मदर मैरी स्कूल और आसपास की लगभग 23 इमारतों के निवासियों पर पड़ा। बीते 24 घंटों में हुई बारिश के चलते इन इमारतों के भूतल पर भारी जलभराव हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आज सुबह नगर निगम के कर्मचारी और अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय निवासियों के सहयोग से अनाधिकृत भराव को हटाकर सड़क का एक हिस्सा साफ किया गया, जिससे पानी का बहाव पुनः सुचारू हो सका। इसके साथ ही, कई दिनों से बंद पड़ा पानी का पंप भी तुरंत चालू किया गया, जिससे जलनिकासी प्रक्रिया तेज हो पाई। इस कार्रवाई के समय वसई विधानसभा प्रमुख मनोज पाटिल अपने सहयोगियों प्रवीण पाटिल, कृष्णा दुबे और अश्विन सिंह के साथ मौके पर उपस्थित थे। स्थानीय निवासियों ने नगर निगम और प्रतिनिधियों की इस त्वरित कार्यवाही की सराहना की। निवासियों की मांग है कि भविष्य में इस तरह के अवैध निमार्णों पर पहले ही कार्रवाई की जाए, ताकि बारिश के मौसम में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

मनाया गया समाजसेवक विनोद पावशे का जन्मदिन

कल्याण। समाजसेवा को समर्पित विनोद पावशे का जन्मदिन मनाया गया। जिनके कार्यों ने अनेकों जरूरतमंदों के जीवन में आशा की किरण जगाई है। विनोद शेठ पावशे के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उनके निवास पर दिनभर शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। यी भीड़ यह दशार्ता है कि समाज के प्रति उनके समर्पण और प्रेम को लोग कितना मान देते हैं। विनोद दादा पावशे एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जो हर समय जरूरतमंदों के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं। उनकी सेवा भावना, उनकी सोच और उनकी निस्वार्थ कार्यशैली हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी, उत्तर यादव युवा संघ और उत्तर शक्ति दैनिक परिवार की ओर से तथा सम्पूर्ण समाज की तरफ से उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

दिव्यांग का गमछे के सहारे फंदे से लटकता मिला शव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जिले के बरसठी थाना क्षेत्र के गनेशपुर गांव में एक दिव्यांग का गमछे के सहारे फंदे से लटकता शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर फॉरेंसिक टीम भी पहुंच कर घटना स्थल का परीक्षण किया।हलांकि मृतक के पिता ने बहू पर ही हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि गांव निवासी 43 वर्षीय शिवकुमार एक हाथ से दिव्यांग था, सुबह करीब 11 बजे कही से मजदूरी करके घर आया। अपरान्ह तीन बजे पत्नी गीता घर में गई तो गमछे के सहारे पति का शव खिड़की पर लटका देख चिल्लाने लगी। शोर सुनकर गांव व आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।मृतक के पिता रामराज ने पुलिस को बहू पर हत्या करने का आरोप लगाकर सूचना दी। मौके पर पहुंचे एसआई जितेंद सिंह, अजय कुमार तिवारी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के सम्बंध में मृतक के पिता रामराज ने बताया कि अक्सर किसी बात को लेकर बेटा व बहू में झगड़ा विवाद व मारपीट होती रहती थी।आरोप लगाया कि बहू ने ही बेटे की हत्या की है।